जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम

मोनोग्राफ श्रृंखला

लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम (नवाचारी पहल)

प्रकाशनः
राज्य परियोजना कार्यालय,
उत्तरांचल
शिक्षा संकुल, मयूर विहार, सहस्रधारा रोड, देहरादून, उत्तरांचल

प्राक्कथन

जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी0पी0ई0पी0) एक बाह्य सहायतित परियोजना के रूप में उत्तरांचल राज्य में वर्ष 2000 में प्रारम्भ हुआ। उस समय उत्तरांचल उत्तर प्रदेश राज्य का हिस्सा था। राज्य के कुल 13 जनपदों में से 06 जनपद हरिद्वार, टिहरी गढ़वाल, उत्तरकाशी, चम्पावत, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में इस कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–।।। के 38 जनपदों के अन्तर्गत आरम्भ किया गया।

इस परियोजना का समापन 31 मार्च 2006 को होगा। परियोजना अवधि के अन्तराल में परियोजना अभिकर्मियों की क्षमता नियोजन, प्रबन्धन तथा कार्यक्रम के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में स्वतः मूल्यांकन द्वारा इस प्रकार विकसित हुई है कि वे बड़े पैमाने पर किसी भी परियोजना का संचालन करने में सक्षम है।

परियोजना की अवधि में विकासखण्ड, जिला तथा राज्य स्तर पर विभिन्न प्रकार के नवाचारी क्रियाकलापों को सम्पन्न किया गया जो भविष्य में शिक्षा के क्षेत्र में आदर्श प्रतिदर्श होंगे। राज्य परियोजना कार्यालय उत्तरांचल द्वारा डी0पी0ई0पी0 कार्यक्रम के दौरान विस्तृत अनुभव प्राप्त किया गया है जिसको उन लोगों के साथ बाँटा जा सकता हे जो शिक्षा के क्षेत्र में रूचि रखते है।

इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा हिन्दी व अंग्रेजी में जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम–।।। की गतिविधियों पर मोनोग्राफ्स की श्रृंखला प्रकाशित की जा रही है। ये मोनेाग्राफ्स केवल गतिविधियों के विषय में ही नहीं बतायेंगे, बल्कि इनके द्वारा परियोजना गतिविधियों की कमियों का विश्लेषण एवं उनके कारणों को भी जाना जा सकेगा। मोनोग्राफ्स की ये श्रृंखला इस प्रकार विकसित की गयी है कि ये योजना कर्मियों, विकास अधिकारियों, अनुसंधानकर्ताओं, विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों व प्रशिक्षण संस्थाओं, शोधकर्ताओं आदि के लिए उपयोगी साबित होगी।

मैं आशा करती हूँ कि मानेाग्राफ्स श्रृंखला के प्रत्येक पाठक के लिये ये मोनोग्राफ्स रूचिकर एवं उपयोगी होंगे।

नम्रता कुमार
राज्य परियोजना निदेशक

LIBRARY & DOCUMENTATION CENTRE
National Institute of Educational
Planning and Administration.
17-B, Sri Aurobindo Marg,
New Delhi-110016
DOC. No

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम
एक नवाचारी पहल

प्रस्तावना

उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद द्वारा प्रदेश में संचालित कार्यक्रमों के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण के लक्ष्य की दिशा में अनेकों महत्वपूर्ण कदम उठाए। प्रदेश में इन कार्यक्रमों के चलते नामांकन, ठहराव और शैक्षिक सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। आज प्रदेश में विद्यालयों की हरेक गांव में उपलब्धता है, विद्यालय में भौतिक संसाधनों की स्थिति बेहतर हुई है तथा प्रदेश में बड़ी संख्या में शिक्षकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी हुई है। इस नए शैक्षिक दृश्य में परिषद का फोकस प्रदेश की शैक्षिक गुणवत्ता में उत्तरोत्तर वृद्धि के लिए सतत् प्रयास करना है और इन्हीं प्रयासों के चलते अनेकों नवाचारी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन, परिषद स्वतंत्र रूप से तथा विभिन्न राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय संस्थाओं के साथ संयुक्त रूप से मिलकर कर रही है। इन्हीं प्रयासों की कड़ी में प्रारंभ किया गया एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम है 'लर्निंग गारंटी कार्यक्रम' इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद, राष्ट्रीय स्तर की संस्था अज़ीम प्रेम जी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में कर रही है।

कार्यक्रम का आच्छादन

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम को प्रथम चरण में पायलेट आधार पर उत्तरांचल के दो जनपदों में लागू किया गया है। जनपदों को चयनित किए जाने में निम्न बिन्दुओं को संज्ञान में रखा गया है–

उत्तरांचल प्रदेश पर्वतीय और तराई की दो विभिन्न भौगोलिक संरचनाओं वाले जनपदों से मिलकर बना है अतः एक पर्वतीय तथा एक तराई या मैदानी जिला कार्यक्रम में शामिल किया जाए।

शैक्षिक कार्यक्रमों के संचालन की दृष्टि से भी प्रदेश को दो तरह के जनपदों में विभाजित किया जा सकता है। डी०पी०ई०पी० से आच्छादित जिले एवं गैर डी०पी०ई०पी० जिले, दोनों तरह के एक–एक जनपद को कार्यक्रम में शामिल किया जाए।

राजस्व की ईकाई के रूप में प्रदेश का विभाजन कुमायूं मण्डल एवं गढ़वाल मंडल के रूप में है। अतः दोनों मण्डलों के एक–एक जनपद को कार्यक्रम में प्रतिनिधित्व हेतु शामिल किया जाए।

उपरोक्त तीनों विशेषताओं को दृष्टिगत रखते हुए उत्तरकाशी एवं उधमसिंह नगर जिलों का चयन लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए किया गया।

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम–एक परिचय

अच्छी शिक्षा, अच्छे समाज के निर्माण की आधारशिला है और किसी भी स्कूल की सार्थकता वहां दी जा रही है अच्छी शिक्षा पर निर्भर करती है।

हमारे प्रदेश में कई हजार स्कूल है और प्रत्येक स्कूल की अपनी कोई न कोई विशेषता है। आम तौर पर उस स्कूल की विशेषता उसी तक सीमित रह जाती है और उसे ऐसा कोई अवसर नहीं मिलता जिससे अन्य स्कूल भी उसका लाभ उठा सकें। कई बार स्कूल की कठिनाईयां भी वहीं सिमट कर रह जाती है और किसी भी विशेष प्रकार की सहायता उन तक नहीं पहुंच पाती है।

उत्तरांचल सरकार और शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली एक राष्ट्रीय संस्था, अज़ीम प्रेम जी फाउंडेशन ने लर्निंग गारंटी कार्यक्रम की संरचना की है जिससे प्रत्येक स्कूल अपनी एक अलग पहचान बना सकता है। जो स्कूल शत–प्रतिशत नामांकन, उपस्थिति और शैक्षणिक गुणवत्ता के स्तर को प्राप्त कर लेंगे, उन्हें पुरस्कार व सामाजिक मान्यता प्राप्त होगी और शेष प्रतिभागी स्कूलों को सुधार हेतु आवश्यक सुझाव मिलेंगे।

"लर्निंग गारंटी कार्यक्रम" का केंद्र बिन्दु स्कूल की विभिन्न कक्षाओं में पढ़ने वाले बच्चों की दक्षताओं का मूल्यांकन उनके स्तरानुसार करना है। यह कोई प्रतियोगिता नहीं है वरन् एक ऐसा अवसर है जिससे हम अपने ही कार्य का सम्पूर्ण विश्लेषण कर पायेगें। यही नहीं, हमारे पढ़ाने के तरीकों में जो त्रुटियां हैं उन्हें भी विशेषज्ञों की मदद से सुधारा जा सकेगा।

कार्यक्रम के उद्देश्य

- स्कूलों को प्रेरित करना ताकि वे स्वेच्छा से अपने बच्चों की दक्षता के स्तर में विकास की प्रक्रिया क्रियान्वित करें ताकि निर्धारित मापदण्डों को प्राप्त किया जा सकें।
- ऐसे स्कूलों, शिक्षकों व पालक संघों की पहचान करना जो शत–प्रतिशत नामांकन, उपस्थिति व दक्षताओं का वांछित स्तर प्राप्त करने का प्रयत्न कर रहे हैं।
- बच्चों की दक्षता को अपेक्षित स्तर तक पहुंचाने वाले उत्तम व सफल स्कूलों में अपनाई गई प्रक्रियाओं को अन्य विद्यालयों और समुदाय तक पहुंचाना।
- इस कार्यक्रम में पहचाने गए उत्तम विद्यालयों को शिक्षा में सुधार के लिए एक वैकल्पिक मॉडल के रूप में प्रस्तुत करना।

कार्यक्रम क्या है?

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, भाग लेने वाले स्कूलों को अपनी बसाहट में पूर्ण नामांकन व उपस्थिति उपलब्ध करानी होगी अर्थात 6–11 आयु वर्ग के सभी बच्चों का नियमित स्कूल आना आवश्यक है। इसके पश्चात, प्रत्येक कक्षा में बच्चों को अपनी निर्धारित उपलब्धि स्तर पर उत्तीर्ण होने पर वह स्कूल लर्निंग गारंटी स्कूल घोषित किया जाएगा।

इस कार्यक्रम में ग्राम शिक्षा समितियों, विद्यालय प्रबन्धन समितियों और सभी शिक्षकों की सक्रिय भूमिका होगी। शैक्षणिक स्तर पर मूल्यांकन एक रोचक प्रक्रिया द्वारा किया जाएगा ताकि शिक्षकों व बच्चों पर किसी प्रकार का दबाव न रहे।

मूल्यांकन के पश्चात स्कूलों को ग्रेड "A" "B" तथा "C" अनुसार पुरस्कार प्रदान किए जाएगें। सफल स्कूलों के सभी शिक्षकों को भी विशेष पुरस्कार दिए जाएगें। जो बच्चे 100% दक्षता प्राप्त करेंगे, उन्हें भी अलग से पुरस्कृत किया जाएगा।

जो स्कूल पुरस्कार नहीं प्राप्त कर पायेंगे, उन्हें शैक्षिक सुधार हेतु सुझाव मिलेंगे ताकि वे अगले चरण में पुनः भाग लेकर विजयी हो सकें।

परिणाम कैसे तय होंगे

अनिवार्य आधार

- प्रत्येक स्कूल की बसाहट के 6–11 आयु वर्ग के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन होना चाहिए। इसकी पुष्टि बालगणना रजिस्टर से की जाएगी।
- प्रत्येक स्कूल में कम से कम 90% बच्चों की 75% उपस्थिति होना अनिवार्य है। इसकी पुष्टि छात्र उपस्थिति रजिस्टर से की जाएगी।
- स्कूल का परिणाम, मूल्यांकन में उपस्थित व अनुपस्थित बच्चों पर आधारित रहेगा। इसीलिए आवश्यक है कि नामांकित बच्चों में से अधिक से अधिक बच्चे मूल्यांकन में भाग लें।

पुरस्कार की श्रेणियां

ए–श्रेणी : स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या के 80% बच्चों को अपनी कक्षा के लिए निर्धारित दक्षताओं की न्यूनतम 90% दक्षताऐं प्राप्त हों।

बी–श्रेणी : स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या के 70% बच्चों को अपनी कक्षा के लिए निर्धारित दक्षताओं की 90% दक्षताऐं हों।

सी–श्रेणी : स्कूल में नामांकित बच्चों की कुल संख्या के 60% बच्चों को अपनी कक्षा के लिए निर्धारित दक्षताओं की 90% दक्षताऐं प्राप्त हों।

परम्परागत मूल्यांकन एवं दक्षता आधारित मूल्यांकन

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के माध्यम से मूल्यांकन की प्रक्रिया में एक बदलाव की शुरूआत की गई है। इस बदलाव को समझने के लिए परम्परागत एवं दक्षता आधारित मूल्यांकन से मूल्यांकनकर्त्ता को अवगत कराया गया। प्रशिक्षण के दौरान निम्न उद्देश्यों को लक्षित किया गया था–

उद्देश्य :

1. दक्षता आधारित मूल्यांकन से स्पष्ट रूप से परिचित होंगे।
2. छक्षता आधारित एवं परम्परागत मूल्यांकन में अन्तर कर सकेंगे।
3. दक्षता आधारित मूल्यांकन कर सकेंगे।

दक्षता आधारित मूल्यांकन

दक्षता आधारित मूल्यांकन लर्निंग गारंटी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों के छात्र/छात्राओं का परम्परागत प्रश्नपत्रों के स्थान पर दक्षता आधारित प्रश्न पत्रों द्वारा मूल्यांकन किया जायेगा। प्रत्येक छात्र जोकि विद्यालय में प्रवेश पाकर निरन्तर कक्षोन्नति प्राप्त करता है उसे प्रत्येक कक्षा में विषय के अनुसार निर्धारित दक्षताओं के अपेक्षित स्तर को प्राप्त करना होता है। इस हेतु कक्षा एवं विषयवार दक्षताओं की जांच हेतु प्रश्न पत्रों का निर्माण किया गया है। इन्हीं दक्षताओं की जांच हेतु किये जाने वाले मूल्यांकन को दक्षता आधारित मूल्यांकन कहा जाता है। वास्तव में देखा जाय तो बालक की वास्तविक जानकारी योग्यता एवं विषय की व्यावहारिकता उसकी दक्षताओं से ही परिलक्षित होती है।

सामान्यतः देखा गया है कि बालक/बालिका किसी विषय वस्तु को रट लेते हैं किन्तु व्यवहारिक जीवन में उनका उपयोग नहीं कर पाते है। मोटे तौर पर विषय वस्तु की जानकारी प्राप्त कर व्यवहार में उसका अनुप्रयोग करना ही दक्षता है।

उदाहरणार्थ कुछ दक्षताएँ निम्नलिखित हैं:–

बोलना, पढ़ना, लिखना सूचीबद्ध करना, अन्तर स्पष्ट करना, तर्क करना, विश्लेषण करना, संश्लेषण करना, अनुप्रयोग करना, मानचित्र पढ़ना, जोड़ना, घटाना, गुणा, भाग के प्रश्नों को सीखकर दैनिक जीवन में उनका उपयोग करना, मापन, समानुपात आदि का व्यवहारिक ज्ञान प्राप्त करना आदि।

पर्यावरण की जानकारी प्राप्त कर उसे अपने दैनिक जीवन में प्रयुक्त करना।

परम्परागत मूल्यांकन

वर्तमान समय में चला आ रहा मूल्यांकन जिसमें किये गये प्रश्नों का उत्तर मुख्यतः स्मृति के आधार पर दिया जाता है। जिसमें छात्र प्रायः अर्जित ज्ञान का उपयोग व्यवहारिक जीवन से नहीं कर पाते हैं इस प्रकार के प्रचलित मूल्यांकन को परम्परागत मूल्यांकन कहते हैं। प्रायः देखा गया है कि विद्यालयों में छात्र छात्राओं से परीक्षाओं में इस प्रकार के प्रश्न पूछे जाते हैं जिनका उत्तरछात्र रट कर ही दे सकते हैं, किन्तु इस प्रकार के

ज्ञान का अनुप्रयोग वे अपने दैनिक व्यवहार में नहीं कर सकते हैं। इस प्रकार का ज्ञान स्थाई भी नहीं रह सकता है। परम्परागत मूल्यांकन से बच्चों की दक्षता का ज्ञान भी नहीं हो पाता है।

एक उदाहरण–माना एक छात्र किसी विषय में 100 में 50 अंक प्राप्त करता है यद्यपि वह विषय में 50 प्रतिशत अंक अर्जित करता है किन्तु यह पता नहीं चलता है कि ये अंक उसे किन दक्षताओं में मिले और किन दक्षताओं में वह अंक प्राप्त करने से वंचित रहा।

उपर्युक्त के आधार पर दक्षता आधारित एवं परम्परागत मूल्यांकन में अन्तर निम्नवत स्पष्ट किया जा सकता है।

दक्षता आधारिता मूल्यांकन	परम्परागत मूल्यांकन
1. प्रश्न मुख्यतः दक्षताओं पर आधारित पूछे जाते हैं।	1. प्रश्न मुख्यतः दक्षताओं पर आधारित नहीं होते हैं।
2. छात्र अर्जित ज्ञान के आधार पर प्रश्नों का उत्तर देते हैं।	2. छात्र बहुधा रट कर प्रश्नों का उत्तर देते हैं।
3. प्रश्नों का सम्बन्ध व्यवहारिक जीवन से होता है।	3. प्रायः प्रश्नों का व्यवहारिक जीवन से सम्बन्ध कम होता है।
4. दक्षता आधारित प्रश्नों से छात्र का ज्ञान स्थाई होता है।	4. इस प्रकार के प्रश्न स्मृति आधारित होने के कारण कम समय तक छात्रों की स्मृति पर रहते हैं। अभ्यास न होने के कारण छात्र कुछ समय बाद विषय भूल जाते हैं।
5. मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य छात्रों की दक्षता स्तर का परीक्षण कर संस्तुति उपलब्ध कराना है।	5 इस मूल्यांकन का संबंध उत्तीर्ण/अनुतीर्ण करने से अधिक है।
6. छात्र अपनी उम्र/क्षमता के अनुसार ज्ञान अर्जित कर सकते हैं।	6. प्रायः छात्र अपनी उम्र/क्षमता के अनुरूप सीखने में असफल रहते हैं।
7. प्रश्न पत्र प्रामाणिक एवं विश्वसनीय होते हैं।	7. प्रायः प्रश्न पत्र प्रामाणिक नहीं होते हैं।
8. इस मूल्यांकन में प्रश्नपत्र इस प्रकार निर्मित होते हैं कि अधिकांश अनिवार्य दक्षताओं का मूल्यांकन	8. प्रश्न पत्रों का प्रयोग से पूर्व परीक्षण में नहीं हो सके। लाये जाते हैं। कुछ दक्षताएं छूट जाती हैं और कुछ की पुनरावृत्ति हो जाती हैं।
9. इस प्रकार के मूल्यांकन में प्रश्न पत्रों में चित्रों, सहायक ामग्री (फ्लैशकार्ड) मानचित्र आदि का स प्रयोग किया जाता है जिसके फलस्वरूप छात्र अपनी क्षमता के अनुरूप प्रत्युत्तर देते हैं।	9. परम्परागत मूल्यांकन एवं परीक्षा में प्रश्न पत्रों में सहायक सामग्री का अभाव होने के कारण छात्र अपनी क्षमता के अनुरूप उत्तर देने में असमर्थ रहते हैं।
10. इस प्रकार का मूल्यांकन अध्यापकों तथा छात्रों में फीडबैक (पश्च–पोषण) द्वारा सुधारात्मक परिवर्तन लाता हैं।	10. पश्च पोषण के अभाव में अध्यापक तथा छात्र स्वयं में सुधारात्मक परिवर्तन करने में असमर्थ रहते हैं।

बाल सुलभ एवं मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के मूल्यांकन का एक और प्रमुख तत्व बाल सुलभ एवं मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन है।

उद्देश्य–

इस सत्र में प्रशिक्षण के पश्चात प्रतिभागी (मूल्यांकनकर्ता)

1. मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन को परिभाषित कर सकेंगे
2. मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन के महत्व को बता सकेंगे
3. मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन का उपयोग दक्षता आधारित मूल्यांकन में कर सकेंगे।

विद्यालयी शिक्षा में मूल्यांकन का प्रमुख स्थान है। मूल्यांकन एक ऐसी प्रक्रिया है जो हमारी समस्त शिक्षा प्रणाली को प्रभावित करती है। अतः यह आवश्यक है कि मूल्यांकन प्रणाली में परम्परागत मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार किया जाय।

मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन से अभिप्राय है कि मूल्यांकन छात्र की क्षमता एवं आवश्यकता के अनुरूप करें ताकि छात्र इस प्रक्रिया में सहज हो। इस प्रकार के मूल्यांकन में मूल्यांकनकर्ता, छात्र की स्वाभाविक प्रवृत्ति के अनुरूप ही प्रश्न कर छात्र का मूल्यांकन करता है। इस बात का ध्यान रखा जाता है कि मूल्यांकन छात्र के लिए किया जाता है।

मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन की विशेषताएं

- मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन में मूल्यांकन कर्ता एक सुलभकर्ता की भूमिका अदा करता है।
- छात्र परीक्षा को परीक्षा की भांति न लेकर एक विद्यालयी क्रियाकलाप के रूप में लेते हैं।
- मूल्यांकनकर्ता छात्र से सरल, स्पष्ट एवं आनन्ददायी वातावरण में प्रश्न पूछता है, परीक्षा लेता है।
- इस प्रकार की परीक्षा/मूल्यांकन में छात्र/छात्रा अपनी वास्तविक क्षमताओं/दक्षताओं का उपयोग करके परीक्षा देते हैं। जिससे उनकी वास्तविक क्षमताओं का मूल्यांकन संभव होता है।
- मूल्यांकनकर्ता छात्र की सामान्य छोटी–छोटी भूल एवं गलतियों पर ध्यान न देकर उसकी वास्तविक दक्षता का मूल्यांकन करता है।
- परीक्षा से पूर्व एवं परीक्षा के दौरान छात्र के सम्मुख एक भयमुक्त वातावरण का सृजन किया जाता है।

मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन का महत्व

- भयमुक्त वातावरण में परीक्षा लेने से छात्र अपनी वास्तविक क्षमता एवं दक्षता के अनुरूप प्रश्नों का उत्तर देते हैं।
- छात्र परीक्षा का बोझ न समझकर इसे विद्यालयी सामान्य क्रियाकलाप मानते हैं।
- इस प्रकार की प्रणाली में छात्रों की सामान्य एवं छोटी–छोटी भूलों पर ध्यान नहीं दिया जाता है।
- विशेष आवश्यकता वाले बालकों के लिए मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन अत्यन्त लाभकारी है।

- छात्र न केवल परीक्षा में ही रूचि लेते हैं बल्कि वे सम्पूर्ण विद्यालयी क्रियाकलापों में भी रूचि लेते हैं।
- इस प्रकार की मूल्यांकन प्रणाली छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु उपयोगी है।
- विद्यालयी परीक्षाओं में रूचि बढ़ने के फलस्वरूप छात्र प्रतियोगियात्मक परीक्षाओं हेतु भी तैयार रहता है जोकि उसके भविष्य के लिए भी लाभदायक होता है।

मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन किस प्रकार किया जाय

- छात्रों का उत्साह बर्द्धन करें।
- प्रश्न स्पष्ट न होने पर प्रश्न दोहराएं।
- छात्र को प्रोत्साहित करने हेतु शाबाशी दें।
- छात्रों की शंका समाधान करें।
- छात्रों की छोटी त्रुटियों पर ध्यान न दें।
- व्यक्तिगत हित को महत्व न देकर छात्र हित में मूल्यांकन करें।
- स्थानीय भाषा में छात्र के उत्तर को स्वीकारें।
- हकलाने तुतलाने वाले बच्चों की हंसी न उड़ायें उन्हें उत्तर देने हेतु प्रोत्साहित करें।
- मौखिक परीक्षा के दौरान छात्रों के लिए भी बैठक व्यवस्था रखें।

भयमुक्त वातावरण कैसे बनाएं

- छात्रों से परिचय द्वारा।
- छात्रों से उनके सम्बन्ध (भोजन, घर, परिवार के सदस्यों आदि) के बारे में बात करके।
- समय होनेपर उनको खेल खिलाकर।
- छात्रों की पीठ थपथापकर।
- गीत कविता आदि को मूल्यांकन पूर्व गतिविधि के रूप में कराकर।

मूल्यांकन प्रक्रिया

परीक्षा प्रणाली में मूल्यांकन एक प्रमुख प्रक्रिया है। प्राथमिक स्तर पर कम उम्र के बच्चों का मैत्रीपूर्ण एवं बाल मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। लर्निंग गारंटी कार्यक्रम में शैक्षिक स्तर का मूल्यांकन एक रोचक प्रक्रिया द्वारा किया जायेगा, ताकि शिक्षक व बच्चे दबाव महसूस न करें।

मूल्यांकन हेतु टीम का निर्माण

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम में परीक्षा एवं मूल्यांकन बाह्य परीक्षकों द्वारा किया जायेगा इस हेतु प्रत्येक विद्यालय के लिए 5 सदस्यीय मूल्यांकन दल की व्यवस्था की जायेगी। 5 सदस्य निम्नवत् होगे–

- 03 विभागीय (सेवारत प्राथमिक अध्यापक)
- 02 स्वयं सेवक (फाउन्डेशन द्वारा चयनित स्थानीय)

टीम का अध्यक्ष–वरिष्ठ सेवारत अध्यापक होगा।

प्रत्येक विद्यालय हेतु उपरोक्तानुसार एक टीम का गठन किया जायेगा, जिसकी कार्य विद्यालय के छात्रों की परीक्षा लेना व मूल्यांकन करना होगा। अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालय में एक से अधिक टीमें भेजी जायेगीं तथा छात्र संख्या कम होने पर टीम के सदस्यों की संख्या कम रखी जायेगी।

मूल्यांकन प्रक्रिया

मूल्यांकन कर्ता निर्धारित दिवस पर बी०आर०सी० भवन में उपस्थित होंगे जहां उन्हें मूल्यांकन हेतु मूल्यांकन सामग्री, अधिकार पत्र, प्रश्न पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाएं तथा अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जायेगी। मूल्यांकन दल विद्यालय में मूल्यांकन के लिए रवाना होने के पूर्व सुनिश्चित कर लेगा कि उसे छात्र संख्या के अनुरूप सामग्री पर्याप्त संख्या में प्राप्त हो चुकी है।

मूल्यांकन हेतु प्रक्रिया निम्नानुसार रहेगी

1. मूल्यांकन टीम मूल्यांकन के पहले दिन स्कूल शुरू होने से 1 घंटा पहले पहुंच जायेगा ताकि सभी शिक्षकों को इस मूल्यांकन के बारे में बताया जा सके तथा किसी भी तरह के संदेहों का निवारण किया जा सके।
2. मूल्यांकन टीम, नामांकन व उपस्थित के रिकार्ड एकत्रित करेगी तथा लिखित व मौखिक मूल्यांकन कक्षा 1,2,3,4,5 में करवायेगी। इस कार्य में लगभग 3 दिन का समय लगेगा।
3. मूल्यांकन टीम को पहले दिन का आधा समय सभी रिकार्ड एकत्रित करने में लगेगा, यह जानकारी अलग अलग फार्मेट (E1, A1, A2, A3, A4, A5) में भरी जाएगी।
4. लिखित परीक्षा 90 मिनट प्रति विषय होगी। मूल्यांकन टीम पहले दिन निर्धारित व सूचित करेगी कि कौन सी कक्षा की किसी विषय की लिखित परीक्षा कब होगी। मौखिक परीक्षा भी साथ ही साथ होगी। यह परीक्षाएं स्कूल में नामांकित सभी बच्चों की होंगी।

5. मौखिक परीक्षा में लगभग 10 मिनट प्रति छात्र लगेंगे। इस दौरान मूल्यांकनकर्ता को बहुत धैर्य रखना होगा ताकि छात्र प्रश्नों को अच्छी तरह समझ सके तथा उसका उत्तर दे सकें।

6. बच्चों की उत्तर पुस्तिका मूल्यांकन टीम द्वारा ही जांची जाएगी।

7. सभी मूल्यांकन उत्तर पुस्तिकाएं व ICR शीट ब्लॉक ऑफिस में जमा होगी। E1 (नामांकन रिकार्ड), A1, A2, A3, A4, A5 प्रारूप / प्रपत्र (उपस्थिति रिकार्ड) भी ब्लॉक ऑफिस में जमा होंगे।

8. मूल्यांकन टीम के किसी भी सदस्य को मूल्यांकन के परिणामों पर चर्चा तथा उन्हें प्रकट करने की अनुमति नहीं होगी, चाहे स्कूल का परिणाम अच्छा हो या नहीं। सदस्यों को मूल्यांकन के समय दिये गये किसी भी फार्मे पर स्पष्टीकरण देने की भी अनुमति नहीं होगी।

9- BSA, DC, DyBEO, DIET तथा अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सदस्यों के कार्यः–

- मूल्यांकन प्रक्रिया व परीक्षा (मौखिक व लिखित) की गुणवत्ता व शुद्धता सुनिश्चित करना।
- सही प्रक्रिया न अपनाने वाले स्कूलों का मूल्यांकन रद्द कर देना।
- ब्लाक स्तर पर आंकड़े (Data Entry) भरने की गुणवत्ता को सुनिश्चित करना।
- सभी आंकड़े सही ढंग व प्रकार से LPG कक्ष राज्य परियोजना कार्यालय देहरादून में पहुंचाना।
- मूल्यांकन की गुणवत्ता को बनाएं रखने के लिए टीमों के साथ साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन।

10. अगर मूल्यांकन के दौरान पता चलता है कि स्कूल, नामांकन व उपस्थिति की शर्तें नहीं पूरी कर पा रहा है तब भी हर बच्चे का मूल्यांकन किया जाएगा। इस प्रकार सभी स्कूलों के बच्चों की उपलब्धि स्तर दक्षता का मूल्यांकन किया जाएगा।

11. लिखित अथवा मौखिक परीक्षा के पूर्व मूल्यांकन कर्ता को A फार्म के आधार पर प्रत्येक छात्र / छात्रा के नाम एवं अन्य जानकारी उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर निर्धारित स्थान पर भरकर तैयार रखनी होगी तथा उसी के आधार पर सम्बन्धित छात्र को उत्तर पुस्तिका उपलब्ध करानी होगी इन उत्तर पुस्तिकाओं में मूल्यांकन कर्ता को अपना कोड भी अंकित करना होगा।

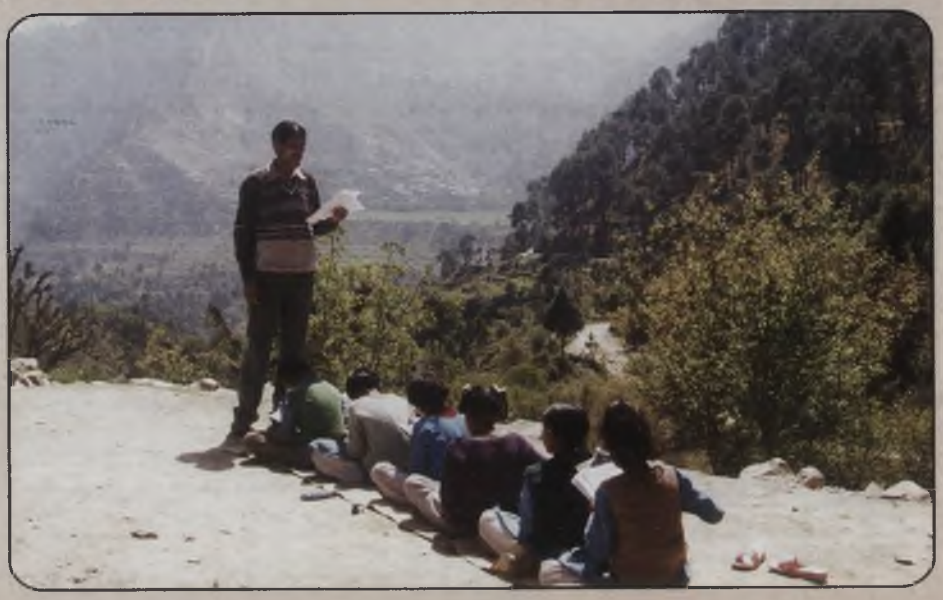

कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित गतिविधियां

(A) राज्य स्तर

1. दक्षता आधारित प्रश्न–पत्र विकास कार्यशाला–

10–12 अगस्त 05 क्षमता आधारित मूल्यांकन की अवधारणा एवं आवश्यकता पर विस्तृत चर्चा के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में राष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ, प्रदेश के मुख्य सचिव, शिक्षा सचिव, अपर सचिव एवं राज्य परियोजना निदेशक के अतिरिक्त समस्त डाइट से विषय विशेषज्ञों, उधमसिंह नगर एवं उत्तरकाशी जनपदों से डी०पी०ओ०, विकासखंड समन्वयक एवं शिक्षकों द्वारा सक्रिय रूप से प्रतिभाग किया गया।

कार्यशाला में परम्परागत मूल्यांकन और दक्षता आधारित मूल्यांकन को लेकर गहरा विचार विमर्श हुआ तथा रटने की पद्धति से शिक्षातंत्र को बाहर लाने हेतु दक्षता आधारित मूल्यांकन के द्वारा परीक्षा प्रणाली में बदलाव लाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। परीक्षा प्रणाली में बदलाव कक्षा शिक्षण में बदलाव की ओर का मार्ग प्रशस्त करेगा। कार्यशाला में दक्षता को परिभाषित करने तथा अच्छे प्रश्न के निर्माण को समझने पर व्यापक चर्चा हुई और सभी उपस्थित अकादमिक प्रतिभागियों के लिए अगामी दिनों के कार्यक्रमों की रूपरेखा भी तैयार की गई।

2. दक्षता आधारित प्रश्न पत्र निर्माण कार्यशाला (18–20 अक्टूबर 2005)

दक्षता आधारित प्रश्नपत्रों की प्रासंगिकता स्थापित करने और अच्छे प्रश्नों के निर्माण की समझ विकसित होने के उपरांत कक्षा 1 से 5 तक गणित, भाषा एवं पर्यावरण अध्ययन के प्रश्नपत्र निर्माण की 3 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

रूलक सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में 38 व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। ये व्यक्ति विभिन्न जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों से आए विषय विशेषज्ञ, अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सदस्य एवं शिक्षक थे।

3 दिवसीय कार्यशाला में 1 से 5 कक्षाओं के 3 सेट दक्षता आधारित प्रश्नपत्र निर्मित किए गए।

3. मेलर–पोस्टर निर्माण कार्यशाला

जनपद स्तर पर लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार हेतु मेलर एवं पोस्टर्स निर्माण की कार्यशालाएं आयोजित की गई। इन कार्यशालाओं से प्राप्त सुझावों एवं कृतियों पर चर्चा कर अन्तिम रूप से मेलर एवं पोस्टर का निर्माण अपर निदेशक श्रीमती पुष्पा मानस के नेतृत्व में दिया गया।

4. मूल्यांकन संन्दर्शिका निर्माण कार्यशालाः (19 से 21 दिसम्बर 05)

मार्च 2006 में लर्निंग गारंटी कार्यक्रम में प्रतिभाग कर रहे विद्यालयों में दक्षता आधारित मूल्यांकन द्वारा गणित, भाषा एवं पर्यावरण अध्ययन विषय की वार्षिक परीक्षा लिए जाने के निर्णय को व्यावहारिक स्वरूप प्रदान करने के लिए मूल्यांकन संदर्शिका निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में निम्नानुसार विषयों पर गहन परिचर्चा कर आलेख तैयार किए गए

- परम्परागत परीक्षा एवं दक्षता आधारित मूल्यांकन
- बाल मैत्रीपूर्ण मूल्यांकनः आवश्यकता एवं स्वरूप
- मूल्यांकन की संपूर्ण प्रक्रिया
- अंक एवं दक्षता विभाजन
- मूल्यांकन कर्ताओं का प्रशिक्षण
- मूल्यांकन दल की संरचना
- मूल्यांकन कार्य का समय, दायित्व विभाजन

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद स्तर पर आयोजित गतिविधियां

1. ब्लाक एवं क्लस्टर स्तर के समन्वयकों का उन्मुखीकरण जुलाई 2005 में कार्यक्रम की प्रथम दस्तक के रूप में ब्लाक एवं क्लस्टर स्तर के समन्वयकों का उन्मुखीकरण उत्तरकाशी जिला मुख्यालय पर किया गया। बैठक में 35 सी०आर०सी० एवं 7 बी०आर०सी० तथा 10 ए०बी०आर०सी० ने भागीदारी की।

2. मेलर–पोस्टर विकास कार्यशाला: कार्यक्रम के प्रचार–प्रसार हेतु एक कार्यशाला का आयोजन 03–09–05 को जनपद स्तर पर किया गया। 35 रचनाधर्मी शिक्षकों, समन्वयकों ने प्रतिभाग कर इस कार्यशाला में मेलर एवं पोस्टर के विभिन्न प्रारूप तैयार किए गए।

3. औपचारिक शुभारंभ: उत्तरकाशी जनपद में कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ 26 सितम्बर 2005 को किया गया। इस कार्यक्रम में जिला, ब्लाक एवं सी०आर०सी० स्तर के सभी समन्वयक तथा कुछ चुने हुए उत्कृष्ट शिक्षक भी सम्मिलित हुए अपर परियोजना संचालक एवं लर्निंग गारंटी कार्यक्रम की नोडल अधिकारी श्रीमती पुष्पा मानस भी कार्यक्रम में उपस्थित हुई। कार्यक्रम में लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के उद्देश्यों एव गतिविधियों पर व्यापक विचार–विमर्श हुआ और विद्यालयों तक कार्यक्रम को ले जाने हेतु मेलर एव पोस्टरस सी०आर०सी० को उपलब्ध कराए गए तथा सी०आर०सी० से अपेक्षा की गई कि वे ग्राम शिक्षा समितियों एवं विद्यालय प्रबन्धन समितियों की बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की अवधारणा को जनपद के प्रत्येक ग्राम तक पहुंचाए।

4. ग्राम शिक्षा समिति प्रशिक्षण के मास्टर ट्रेनर्स का उन्मुखीकरण जनपद में दो स्थानों पर आयोजित मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का उपयोग कार्यक्रम की अवधारणा को ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों तक पहुंचाने की दृष्टि से लर्निंग गारंटी कार्यक्रम की अवधारणा एवं विचार को प्रशिक्षण में सम्मिलित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उन्मुखीकृत प्रशिक्षकों द्वारा कालान्तर में इसका उपयोग ग्राम शिक्षा समिति के सदस्यों को कार्यक्रम की जानकारी प्रदान कर किया गया।

5. प्रधानाध्यापकों का ब्लाकस्तरीय सम्मेलनः विद्यालयी शिक्षा की अन्तिम किन्तु सबसे महत्वपूर्ण इकाई है और प्रधानाध्यापकों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इस तथ्य के प्रकाश में समस्त प्रधानाध्यापकों को लर्निंग गारंटी कार्यक्रम की अवधारणा एवं विचार से सीधे जोड़ने के लिए विकासखंड मुख्यालयों पर ये सम्मेलन आयोजित किए गए। कुल विद्यालयों में से विद्यालय द्वारा इन सम्मेलनों में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के स्वैच्छिक स्वरूप को स्थापित करने के लिए यह एक उत्कृष्ट अवसर के रूप में देखा गया।

6. स्वयंसेवकों का चयनः लर्निंग गारंटी कार्यक्रम में अन्तिम रूप से 220 विद्यालयों ने प्रतिभाग हेतु आवेदन किया। इन विद्यालयों के मूल्यांकन का कार्य 1 मार्च से 31 मार्च 2006 के बीच कराए जाने का निर्णय दिया गया। मूल्यांकन कार्य 5 अथवा 3 सदस्यीय मूल्यांकन दल द्वारा किया जाना था तथा यह दल शासकीय शिक्षकों एवं फाउण्डेशन द्वारा चयनित स्वयंसेवकों से निर्मित होना था। अतः जनवरी 06 में समस्त विकासखंडों के लिए कुल 99 स्वयंसेवकों का चयन संयुक्त रूप से किया गया।

7. मूल्यांकन कर्ताओं का प्रशिक्षणः मार्च 2006 में आयोजित होने वाले मूल्यांकन हेतु जनपद उत्तरकाशी में 220 विद्यालयों के मूल्यांकन कार्य के लिए 6 विकासखंडों में मूल्यांकनकर्ताओं का चार दिवसीय प्रशिक्षण दो चरणो में पूर्ण किया गया यह प्रशिक्षण डायट एवं डी०पी०ओ० के प्रतिनिधि, 2 मास्टर ट्रेनर्स, तथा अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।

वर्तमान स्थिति

स्वैच्छिक रूप से प्रतिभाग कर रहे विद्यालयों का बालमैत्रीपूर्ण तरीके से मूल्यांकन कर प्रतिपुष्टि उपलब्ध कराना लर्निंग गारंटी कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। मार्च 06 में जनपद उत्तरकाशी के समस्त 220 प्रतिभाग कर रहे विद्यालयों का मूल्यांकन भाषा, गणित एवं पर्यावरण अध्ययन विषय पर कक्षा 1 से कक्षा 4 तक के बच्चों के लिए पूर्ण कर लिया गया है।

मूल्यांकन उपरान्त प्रत्येक बच्चे की दक्षताओं को दर्ज करने का काम आई०सी०आर० शीट के माध्यम से किया जा रहा है। अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सहयोग से मूल्यांकन कार्य का विश्लेषण कर प्रत्येक विद्यालय को विषयवार दक्षताओं पर आधारित प्रतिपुष्टि उपलब्ध कराई जाएगी। वर्तमान में आई०सी०आर० शीट को भरे जाने तथा कम्प्यूटर के माध्यम से स्केन किए जाने का कार्य किया जा रहा है जिसके 15 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है।

आगामी कार्यक्रम एवं रणीनीतियां

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालयों का दक्षता आधारित मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। मूल्यांकन का कार्य मार्च 2006 में समस्त विद्यालयों में कर लिया गया है। मूल्यांकन उपरान्त निम्न कार्य किए जाने हैं:–

विद्यालयों को प्रतिपुष्टि (फीडबैक)

दक्षता आधारित मूल्यांकन की बच्चेवार, विषयवार और दक्षतावार प्रतिपुष्टि विद्यालयों को प्रदान करना कार्यक्रम का अगला पड़ाव होगा। यह प्रतिपुष्टि जनपद के शैक्षिक सरोकारों से जुड़ी प्रत्येक इकाई को भी उपलब्ध कराया जाएगा। प्रतिपुष्टि का उपयोग, आगामी सत्र में रेमेडियल टीचिंग या सुधारात्मक शिक्षण में किए जाने के लिए विद्यालय को प्रेरित/प्रशिक्षित किए जाने हेतु शैक्षिक सहायता के लिए उपलब्ध व्यक्तियों एवं इकाईयों की दक्षता संवर्धन की स्थिति निर्मित में किया जायेगा। क्लस्टर स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों को प्रतिपुष्टि पर परिचर्चा के लिए उपयोग में लाया जाएगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा भी आगामी शिक्षक प्रशिक्षणों के लिए प्रतिपुष्टि का उपयोग कर माड्यूल विकास में सहायता ली जाएगी तथा शैक्षिक अनुश्रवण के दौरान विद्यालयों को स्पष्ट रूप से उनके कठिन स्तरों पर विषयवार सहयोग प्रदान किया जायेगा।

प्रयास एवं योग्यता का सम्मान

कार्यक्रम का उद्देश्य परीक्षण प्रेरित सुधारों की शुरुआत करने के साथ–साथ प्रयास एवं योग्यता की पहचान तथा उन्हें सम्मानित किया जाना है। उत्कृष्ट शैक्षिक उपलब्धियां अर्जित करने वाले विद्यालयों को कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने पर विजेता विद्यालयों के रूप में पुरस्कृत किया जाएगा। समस्त

प्रतिभाग करने वाले विद्यालयों को भी शैक्षिक गुणवत्ता की दिशा में उठाए उनके कदम के लिए प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अन्य विशिष्ट प्रयासों और उपलब्धियों को रेखांकित किये जाने हेतु प्रयास किए जाएंगे।

पुरस्कार समारोह का उद्देश्य समाज में बिना आहट और शोर किए उत्कृष्ट कार्य कर रहे व्यक्तियों और इकाईयों को न सिर्फ चिन्हित करना है वरन् सारे समाज के सामने उनकी विशेषताओं को उभारना भी होगा। यह कार्य उत्कृष्टता और गुणात्मकता के लिए किए जा रहे प्रयासों को समर्थन प्रदान करने के साथ–साथ अन्य लोगों को पथ प्रदर्शन का अवसर भी उपलब्ध करायेगा।

पुरस्कार समारोह में शिक्षकों, बच्चों, शैक्षिक समन्वयकों के साथ ग्राम शिक्षा समितियों एवं विद्यालय प्रबन्धन समितियों के सदस्यों को भी सम्मिलित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन गुणात्मक सुधार के रंग में सभी को सराबोर करने के उद्देश्य से किया जाएगा।

आगामी वर्ष की तैयारियां

प्रथम वर्ष की गतिविधियां पूर्णता की ओर बढ़ेंगी और द्वितीय वर्ष के कार्यक्रम के क्रियान्वयन की रूपरेखा तैयार हो जाएगी। द्वितीय शैक्षिक सत्र में कार्यक्रम की अवधारणा एवं विचार से समस्त विद्यालयों एवं शैक्षिक इकाईयों का पुनः परिचय तथा कार्यक्रम में प्रतिभाग हेतु आवश्यक प्रचार एवं प्रसार प्रारंभ किया जाएगा।

कार्यक्रम की गतिविधियों का संपूर्ण चक्र एक बार पुनः प्रारंभ किया जाएगा। प्रथम वर्ष की गलतियों और सीखों के प्रकाश में द्वितीय वर्ष की गतिविधियों का परिमार्जन एवं परिसंवर्धन कर नवीन उत्साह और दक्षता विकास के साथ क्रियान्वयन किया जाएगा। परिणामों के विश्लेषण के लिए विभिन्न आंतरिक एवं वाह्य विशेषज्ञों के माध्यम से शोध तथा अध्ययन भी प्रस्तावित हैं। कार्यक्रम के प्रभावों का सिंहावलोकन करने के उपरान्त इसके कार्यक्षेत्र के विस्तार संबंधी निर्णय संयुक्त रूप से लिए जाएंगे।

लर्निंग गारंटी कार्यक्रम उत्तरांचल

समर्पण एवं उत्कृष्टता की झलकियाँ

- कार्यक्रम के प्रारंभ से अब तक विभिन्न गतिविधियों के लिए निर्धारित समय–सीमाओं का अपेक्षित पालन करते हुए समस्त महत्वपूर्ण गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया।
- कार्यक्रम में स्वैच्छिक प्रतिभाग की सुविधा विद्यालयों को उपलब्ध होने के बावजूद लगभग 30 प्रतिशत विद्यालयों द्वारा अल्प समय में पहल कर उत्साहपूर्वक प्रतिभाग हेतु आवेदन किए गए।
- विभिन्न प्रशिक्षणों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में आमंत्रित शिक्षकों तथा अन्य अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा लगभग शत प्रतिशत उपस्थिति दर्ज कराई गई।
- बाल मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन के प्रति बच्चों में अत्यधिक उत्साह देखने को मिला।
- मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा भी मैत्रीपूर्ण मूल्यांकन करते हुए आनंद का अनुभव किया गया।
- दुर्गम तथा दूरस्थ ग्रामों के विद्यालयों में भी मूल्यांकन दल समय पर उपस्थित हुए तथा समुदाय द्वारा उन्हें रहने आदि की उपयुक्त व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम
दक्षता आधारित प्रश्नपत्र विकास कार्यशाला

दिनांक 10–12 अगस्त, 2005

लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम का लक्ष्य (AIM)

राज्य परियोजना कार्यालय, "उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद" एवं अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वाधान में राज्य की प्राथमिक शिक्षा में गुणवत्ता सम्बर्द्धन हेतु बच्चों के मूल्यांकन की परीक्षा प्रक्रिया में दक्षता आधारित प्रश्नपत्रों के अनुप्रयोग से बच्चों में दक्षताओं का विकास करना तथा तद्नुरूप प्राथमिक विद्यालयों में गुणवत्ता आधारित शिक्षण–अधिगम क्रिया का स्वतः संचालन होना।

कार्यक्रम के उद्देश्य (OBJECTIVES)

1. धारणा सम्प्राप्ति के विद्यालयों को चिन्हित करना।
2. विद्यालयों को एल०जी०पी० कार्यक्रम में स्वेच्छा से प्रतिभाग करने हेतु प्रेरित करना।
3. 'प्रशंसा और सम्मान' जैसे मनोवैज्ञानिक अभिप्रेरकों के अनुप्रयोग से छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए अभिप्रेरित करना।
4. परीक्षा के लिए दक्षता आधारित प्रश्नपत्रों का विकास करना।
5. दक्षता आधाारित प्रश्नपत्रों का परीक्षा प्रणाली में अनुप्रयोग करके, तदनुरुप शिक्षण अधिगम क्रिया का संचालन विद्यालयों में स्वतः ही होना।
6. दक्षता आधारित प्रश्नपत्रों के अनुकूल शिक्षण क्रिया करने वाले अध्यापकों की शिक्षण विधियों व तकनीकियों को चिन्हित करना तथा आवश्यकतानुसार फीडबैक देना तथा इन विधियों का अनुप्रयोग अन्य विद्यालयों में करना।
7. लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम–संतृप्त विद्यालयों को आदर्श विद्यालय के रूप में स्थापित करना।

कार्यशाला का उद्देश्य

(1) प्राथमिक शिक्षा के लिए दक्षता आधारित प्रश्नों का विकास करना।

कार्यशाला में दक्षताओं पर चर्चा करते हुए निम्न बिन्दु उभर कर आए :–

प्रमुख दक्षताएँ

1. लिखने–पढ़ने–समझने और बोलने की योग्यता।
2. बच्चे में विश्लेषण करने की योग्यता।

3. बच्चे में संश्लेषण करने की योग्यता।
4. बच्चे में तुलना करने की योग्यता।
5. बच्चे में विषयवस्तु के अवलोकन करने की योग्यता
6. बच्चे में विषयवस्तु के प्रत्यक्षीकरण करने की योग्यता।
7. बच्चे में सृजनात्मक क्षमता के विकास की योग्यता।
8. बच्चे में कौशल विकास की योग्यता।
9. बच्चे में पूर्व अनुभवों को अनुप्रयोग करने की क्षमता।
10. बच्चे में तर्क करने की क्षमता।
11. प्रश्न के उत्तर को रट के न देने की योग्यता।
12. प्रश्न को समझ लेने की क्षमता।
13. समस्याओं का समाधान कर लेने की योग्यता।
14. सीखने का स्थानान्तरण अन्य परिस्थितियों में करने की क्षमता।
15. पूर्व ज्ञान को अनुभवों के साथ जोड़ने की योग्यता।
16. अवधारणा की समझ विकसित करने की क्षमता।
17. किसी विषयवस्तु को सीखना, उसे आत्मसात करना तथा जीवन के व्यवहार में उसे लाना या प्रयोग करने की क्षमता।

कार्यशाला में स्पष्ट किया गया कि राज्य में संचालित पाठ्यक्रम आधारित पाठयपुस्तक में पाठ का उद्देश्य लिखा गया है। यह उद्देश्य ही दक्षता है। अतः दक्षताओं को सूचीबद्ध करने के लिए पाठ्यक्रम व पाठ्यपुस्तक का अवलोकन किया जा सकता है।

कार्यशाला में अच्छे प्रश्नों के विकास के विषय में चर्चाएँ हुई तथा अच्छे प्रश्न बनाने के लिए निम्न बिन्दु उभर कर आए।

अच्छे प्रश्न बनाने की विशेषताएँ:

मौखिक प्रश्न :

(1) संवाद की भाषा स्पष्ट हो।
(2) सम्प्रेषण स्पष्ट हो।
(3) सूचना / संदेश स्पष्ट हो।
(4) छात्र का ध्यान आकृष्ट बना रहे।
(5) प्रश्न की भाषा का व्याकरण शुद्ध हो।
(6) उच्चारण शुद्ध हो।
(7) प्रश्न में उस भाषा का प्रयोग हो, जिसे बच्चा समझता हो।
(8) शारीरिक भाषा (Body Language) भ्रमित न करती हो।
(9) प्रश्नकर्ता का लय, हाव–भाव व शैली अनुकूल हो।

(10) प्रायोगिक प्रश्नों में निर्देश स्पष्ट हों।

(11) प्रश्न का उद्देश्य स्पष्ट हो।

(12) पूछे गये प्रश्न पूर्व परीक्षित हों।

(13) प्रश्नकर्ता तथा विद्यार्थी के मध्य मैत्रीपूर्ण व्यवहार हो।

(14) प्रश्नों के वाक्य छोटे हों।

(15) वातावरण आनन्ददायी हो।

(16) बच्चा तनाव रहित एवं भयमुक्त हो।

(17) प्रश्न पूछते समय जाति, लिंग, वर्ग या धर्म आदि की ओर संकेत या टिप्पणियां नहीं होनी चाहिए।

(18) प्रश्नकर्ता का सम्बोधन विद्यार्थी के प्रति मैत्रीपूर्ण, अपनत्व भरा तथा प्रेरणादायी होना चाहिए।

(19) यदि मौखिक प्रश्नों में चित्रों का अनुप्रयोग हो तो चित्र एक अच्छे उद्दीपक (Stimulus) की तरह हो।

(20) प्रश्न ऐसा हो, जिसका उत्तर सुनिश्चित हो तथा दक्षता का मूल्यांकन भी स्पष्ट हो।

लिखित प्रश्न :

(1) प्रश्न की भाषा को बच्चा अच्छी तरह समझता हो।

(2) प्रश्न पत्र के निर्देश स्पष्ट हों।

(3) प्रश्न का भाव पूरी तरह स्पष्ट हो।

(4) प्रश्न बनाते समय यह स्पष्ट हो कि प्रश्न में कौन सी दक्षता का मूल्यांकन किया जा रहा है।

(5) अच्छे प्रश्न में एक से अधिक दक्षताएँ भी मापी जा सकती हैं।

(6) प्रश्न प्रेरक व चुनौतीपूर्ण हो।

(7) प्रश्न की भाषा बच्चे के स्तर की हो। उसकी मातृभाषा में हो।

(8) प्रश्न के चित्रों में स्पष्टता हो।

(9) प्रश्न की भाषा, भाव के अनुकूल हो।

(10) प्रश्न पत्र में विभेदीकरण की क्षमता हो।

(11) प्रश्न ऐसा हो, जिसका उत्तर सुनिश्चित हो तथा जिसका मापन स्पष्ट किया जा सके।

(12) प्रश्न पत्र की समय अवधि संतुलित हो।

(13) प्रश्न पूर्व में परीक्षित हो।

(14) प्रश्न ऐसे हों कि मूल्यांकन में विश्वसनीयता एवं प्रामाणिकता हो।

(15) प्रश्न समझने की दक्षता बच्चे में हो।

(16) ऐसा प्रश्न, जिसका उत्तर सभी विद्यार्थी दे दें या जिसका उत्तर कोई न दे सके, अच्छे प्रश्न नहीं होते हैं।

(17) प्रश्न पत्र के प्रश्नों या चित्रों में जाति, धर्म, वर्ग या लिंग से सम्बन्धित कोई विवादित सम्बोध नहीं हों।

(18) प्रश्नों के चित्रों से आने वाली संवेदनाएँ या सन्देश स्पष्ट व प्रश्न के अनुरूप हों। चित्र एक अच्छे उद्दीपक (Stimulus) की भांति हो।

(19) यदि प्रश्न को बिना रटे, सोच–समझकर दिया जा सके तो वह प्रश्न दक्षता आधारित है।

कार्यशाला में विशेषज्ञों के सुझाव

- ऐसा प्रश्न जिसका उत्तर किताब से रटे बिना दिया जा सकता है, दक्षता आधारित होता है।
- प्रश्न पत्रों में बहुत अधिक स्थानीयता का प्रयोग हो तो भी अच्छा नहीं है, कुछ बातें तो मानक होनी चाहिए।
- इस कार्यशाला के द्वारा यह कोशिश की गयी है कि प्रतिभागियों में अच्छे प्रश्न बनाने का आत्म विश्वास पैदा हो जाय।
- प्रश्न बनाने वाले को इस पर भी विचार करना चाहिए कि प्रश्न के द्वारा स्मृति का परीक्षण हो रहा है या दक्षता का।
- प्रश्न पाठ के उद्देश्य पर आधारित होना चाहिये।
- प्रश्न में ज्ञान, समझ व अनुप्रयोग का परीक्षण होना चाहिये।
- प्रश्न पत्र का पूर्व में परीक्षण करना आवश्यक है।
- प्रश्न पत्र में सन्तुलन होना चाहिये–प्रश्न के प्रकारों के आधार पर, दक्षताओं व कौशल विकास के आधार पर तथा समय के आधार पर।
- दक्षता आधारित प्रश्नों के उत्तर बच्चे तभी दे पायेंगे, जब कक्षा–कक्ष में शिक्षण अधिगम क्रिया को तद्नुसार बनाया जाय। इसके लिए एस०सी०ई०आर०टी व डायट को सन्दर्भ के रूप में कार्य करना होगा, ताकि भविष्य में यह कार्यक्रम पूरे राज्य में चलाया जा सके।
- दक्षताओं की सूची निश्चित नहीं होती है, यह बढ़ भी सकती है।
- ऐसे प्रश्न जिनका उत्तर रूट मैमोरी के आधार पर न दिया जा सके, दक्षता आधारित होता है।
- दक्षता एकांगी नहीं होती है। प्रश्न बनाते समय उसमें कई दक्षताओं का समूह होता है।
- यदि किसी महत्वपूर्ण दक्षता का परीक्षण करना चाहते हैं तो उससे लगी हुई अन्य दक्षताओं का स्वतः ही परीक्षण हो जाता हैं।
- प्रश्नों में तथ्य, सूचनाओं या विषयवस्तु का परीक्षण हो रहा है, स्पष्ट विचारना चाहिए।
- प्रत्येक प्रश्न बनाने से पहले उसका उद्देश्य अवश्य ध्यान में रखना चाहिये।
- कौशल तथा क्षमता के परीक्षण से सम्बन्धित प्रश्न भी दक्षता आधारित होते हैं।
- दक्षता आधारित प्रश्न पत्र का तात्पर्य यह नहीं है कि हम ज्ञान या अवधारणाओं को नकार दें।
- पर्यावरण अध्ययन में दक्षताओं को समझना थोड़ा कठिन होता है। अतः बुनियादी अवधारणाओं / सिद्धान्तों को समझना जरूरी होगा।
- कक्षावार व विषयवार दक्षताओं को स्वयं आप द्वारा निर्धारित करना होगा, दूसरे राज्य से नहीं लेना चाहिए।
- भाषा के मौखिक या लिखित प्रश्नपत्र में पर्यावरण अध्ययन से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

- उत्तरांचल के परिप्रेक्ष्य में भू–स्खलन, पानी का बहाव, स्कूल में कचरे से सम्बन्धित, स्कूल या स्वयं की स्वच्छता से सम्बन्धित प्रश्नों का निर्माण किया जा सकता है।
- प्रत्येक डायट प्रवक्ता प्रतिभागियों को निर्देश दिया गया कि वे डायट स्तर पर दक्षता आधारित प्रश्न बनायेंगे तथा उनका परीक्षण करेंगे।
- अवधारणा तथा कौशल में अन्तर समझ लेना चाहिए।
- उत्तरांचल के परिप्रेक्ष्य में अच्छा रहेगा कि पर्यावरण अध्ययन को प्रमुखता देने हेतु अलग से प्रश्नपत्र बनाया जाय।
- गणित में जोड़ना, घटाना, गुणा या भाग के तर्क से सम्बन्धित प्रश्नों का विकास किया जाता है। गणितीय चिन्हों की भाषा की समझ के साथ क्रमबद्ध तर्क विकसित करने वाले प्रश्न बनाए जाए।
- किताब में मुद्रित गतिविधियों को गणित शिक्षण में कराया जाए तथा परीक्षण में गतिविधियां कराई जायें।
- पाठ्यपुस्तक में यदि दक्षता आधारित प्रश्न है तो वैसे ही प्रश्न, परन्तु वही नहीं, प्रश्नपत्र में देने चाहिये।
- गतिविधि से परीक्षण किन बातों के लिए बहुत आवश्यक है और किसके लिए वांछनीय है, स्पष्ट करना चाहिये।
- किन परिस्थितियों में सामूहिक तथा किन परिस्थितियों में व्यक्तिगत परीक्षा होनी चाहिए।
- मौखिक परीक्षा किसी तरह की बातों या दक्षताओं का परीक्षण करता है तथा लिखित परीक्षा किन दक्षताओं का परीक्षण करता है, दोनों के अन्तर को समझना चाहिये।

दक्षता आधारित प्रश्न–पत्र कार्यशाला दिनांक 18–20 अक्टूबर, 2005

स्थानः रूरल लिटिगेशन एण्ड एनटाइटलमेंट केन्द्र, सूर्यलोक कालोनी, राजपुर रोड, देहरादून

प्रदेश के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा विद्यालयों से आए विषय विशेाज्ञ/प्रवक्ता के पंजीकरण उपरांत कार्यशाला प्रारम्भ की गई। प्रथम सत्र में प्रतिभागियों को अगस्त माह में आयोजित बैठक में अलग–अलग विषयों की दक्षताओं के सम्बन्ध में उभरी अवधारणाओं का एवं उनको प्रश्नों में समाहित करने के स्वरूप पर राज्य परियोजना से दूरस्थ शिक्षा समन्वयक श्री मुनीश चन्द्र मिश्रा तथा अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन से आये विशेषज्ञों श्री आलोक कुमार एवं सुश्री एकता शर्मा द्वारा प्रतिभागियों से विस्तृत चर्चा की गयी।

सह–समन्वयक राज्य परियोजना एवं अजीम प्रेम जी फाउण्डेशन के राज्य प्रमुख श्री गंगोला जी द्वारा कार्यशाला के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए स्पष्ट किया गया कि इन तीन दिनों में भाषा, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन विषयों के दक्षता आधारित प्रश्न पत्र कक्षा एक से पाँच तक तैयार किये जाने हैं। अतः कार्यशाला समय का समुचित उपयोग किया जाय। चर्चा उपरांत प्रतिभागियों को विषयों के अनुसार तीन समूह में तथा प्रत्येक समूह को तीन उप समूह में विभाजित कर प्रत्येक उप समूह को प्रश्न–पत्र निर्माण का दायित्व सौंपा गया। प्रथम दिवस में प्रत्येक समूह/उप समूह को संबंधित विषय के कक्षा 1 तथा कक्षा 2 के प्रश्न पत्र तैयार करने का कार्य दिया गया। प्रश्न पत्र तैयार करने हेतु प्रत्येक समूह/उपसमूह को 02 घण्टे तद्परांत सामूहिक चर्चा कर प्रत्येक उप समूह द्वारा तैयार प्रश्न–पत्र को संवर्द्धि करने हेतु 1 घण्टे का समय निर्धारित किया गया। इस प्रकार प्रत्येक समूह/उपसमूह द्वारा प्रथम दिवस को कक्षा 1 से 2 के भाषा, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन विषय के तीन–तीन प्रश्न पत्र सैट तैयार किए गए। इसी प्रकार द्वितीय दिवस में प्रत्येक समूह/उपसमूह द्वारा कक्षा 3 एवं 4 के तीनों विषयों के तीन–तीन सैट तैयार किए गए। कुछ समूहों द्वारा क्षा 5 के प्रश्न–पत्रों पर भी कार्य किया गया। तृतीय दिवस के प्रथम सत्र में प्रत्येक समूह/उपसमूह द्वारा कक्षा 5 के प्रश्न–पत्रों का निर्माण किया गया। प्रत्येक समूह से चर्चा उपरांत तय किया गया कि द्वितीय सत्र में प्रत्येक सूमह अपने से सम्बन्धित विषय के प्रत्येक कक्षा हेतु तैयार तीन प्रश्न पत्र सैट पर सामूहिक विचार विमर्श कर प्रश्नों काा चयन कर एक माडल प्रश्न पत्र तैयार करेगा। इस प्रकार प्रत्येक समूह द्वारा संबंधित विषय के कक्षा 1 से 5 तक का एक माडल प्रश्न पत्र सैट तैयार किया गया। इस प्रकार तीन दिवसीय कार्यशाला में कक्षा 1–5 तक तीन विषयों क्रमशः भाषा, गणित व पर्यावरण अध्ययन के कुल 60 प्रश्न पत्रों के सैट तैयार किए गए। प्रतिभागियों को सहयोग प्रदान करने हेतु समूह के साथ फैसिलिटेटर के रूप में निम्न व्यक्ति रहे तथा चर्चा के समय सभी ने सभी को सहयोग किया।

- प्रथम समूह (गणित) – कु० एकता शर्मा
- द्वितीय समूह (भाषा) – श्री आलोक कुमार व श्री केशरी नन्दन मिश्रा
- तृतीय समूह (पर्यावरण अध्ययन) – श्री फाल्गुनी सारंगी, सुश्री कनुप्रिया एवं नमिता

राज्य परियोजना के समन्वयक श्री मुनीश चन्द्र मिश्रा तथा श्री जगदीश सजवाण द्वारा सभी समूहों के साथ समूह चर्चा/कार्य में सहयोग दिया गया।

तृतीय दिवस के अंतिम सत्र में कार्यशाला के समापन के अवसर पर प्रतिभागियों विशेषज्ञों/प्रवक्ताओं से अपेक्षा की गयी कि वे प्रतिमाह दक्षता आधारित प्रश्न–पत्र के सैट तैयार कर राज्य परियोजना कार्यालय को उपलब्ध करवाते रहेंगें साथ ही डायट में दक्षता आधारित शिक्षण– प्रशिक्षण कार्यशालायें/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर कक्षा शिक्षण को बेहतर बनाने का प्रयास भी करेंगे।

सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन किया गया।

लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम-दक्षता आधारित प्रश्नपत्र निर्माण कार्यशाला

दिनांक 18–20 अक्टूबर, 2005

प्रतिभागी सूची

क्र०सं०	नाम	पदनाम एवं पता
1	श्री विपिन चन्द्र मिश्र	प्रवक्ता, डायट गौचर, चमोली
2	श्री प्रताप सिंह मेहरा	प्रवक्ता, डायट डीडीहाट, पिथौरागढ़
3	श्री वीरेन्द्र सिंह कठैत	प्रवक्ता, डायट गौचर, चमोली
4	श्री जी०सी० जोशी	प्रवक्ता, डायट अल्मोड़ा
5	श्री एस०एस० नेगी	प्रवक्ता, डायट गौचर, चमोली
6.	श्री मदन मोहन उनियाल	प्रवक्ता, डायट टिहरी गढ़वाल
7.	श्री अनुज अरथाना	प्रा० वि० खिलड़िया, खटीमा
8	श्री कैलाश चन्द्र सक्सेना	सह समन्वयक, बी०आर०सी० रुद्रपुर
9	श्रीमती पुष्पा गुंसाई	स०अ०, डायट देहरादून
10	श्री अरविन्द कुमार सिंह	प्रवक्ता, डायट रुड़की हरिद्वार

11	श्री प्रेमचन्द्र चौहान	प्रवक्ता, डायट रुड़की हरिद्वार
12	डा० शेशनारायण त्रिपाठी	प्रवक्ता, डायट चडीगांव पौड़ी
13	श्री के०एस० नेगी	प्रवक्ता, डायट, भीमताल नैनीताल
14	श्री आर०के० डिमरी	प्रवक्ता, डायट बड़कोट, उत्तरकाशी
15	श्री एम०डी० चौबे	प्रवक्ता, डायट अल्मोड़ा
16	श्री शक्तिधर मिश्र	प्रवक्ता, डायट बड़कोट, उत्तरकाशी
17	श्री श्यामप्रसाद कोटनाला	प्रवक्ता, डायट रुड़की हरिद्वार
18	श्री सुबोध सिंह बिश्ट	प्रवक्ता, डायट बड़कोट, उत्तरकाशी
19	श्री दीपक नेगी	प्रवक्ता, डायट देहरादून
20	श्री पंकज पुश्प रावत	प्रवक्ता रा०इ०का० मनेरी, उत्तरकाशी
21	श्री विजय कुमार द्विवेदी	स०अ०, प्रा०वि० मगरसड़ा, सितारगंज
22	डा० एल०एम० उप्रेती	प्रवक्ता, डायट डीडीहाट, पिथौरागढ़
23	श्री पी०सी० किमोठी	प्रवक्ता, डायट टिहरी गढ़वाल
24	श्री आर०एस० असवाल	प्रवक्ता, डायट चड़ीगांव पौड़ी
25	श्री आर०जे० असवाल	प्रवक्ता, डायट चड़ीगांव पौड़ी
26	श्री हेमराज भट्ट	स०अ०, प्रा०वि० भड़कोट
27	डा० अजय शेखर बहुगुणा	प्रवक्ता, डायट चड़ीगांव पौड़ी
28	श्री अनिल कुमार खोखर	प्रवक्ता, डायट देहरादून
29	श्री बसन्त बल्लभ	स०अ०, रा०इ०का०
30	श्री मुनीश चन्द्र मिश्रा	राज्य परियोजना कार्यालय
31	श्री जगदीश सजवाण	राज्य परियोजना कार्यालय
32	श्री अनंत गंगोला	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन
33	श्री कुमार आलोक	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन
34	सुश्री कनुप्रिया मिश्रा	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन
35	सुश्री नमिता प्रकाश	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन
36	श्री केसरीनन्दन मिश्र	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन
37	सुश्री फाल्गुनी सारंगी	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन
38	श्री एकता शर्मा	अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन

परिशिष्ट–4

निर्गत प्रपत्र/आदेश पत्र

कार्य संचालन से सम्बन्धित

मूल्यांकन सूचना पत्र

सेवा में, APF विद्यालय कोडः–

प्रधानाध्यापक

प्राथमिक विद्यालय .....

सी0आर0सी0 .....

विकास खण्ड .....

विषयः लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय का मूल्यांकन।

महोदय,

आपके विद्यालय में लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम में स्वैच्छिक रूप से प्रतिभाग करने की स्वागत योग्य पहल की है। आपके विद्यालय का मूल्यांकन दिनांक ..... से ..... मार्च 2006 के मध्य .... सदस्यीय मूल्यांकन दल द्वारा किया जाएगा।

इस मूल्यांकन के लिए आपको निम्न तैयारियाँ पूर्ण करनी होंगी।

1. विकास खण्ड स्तर से भेजी गयी पुस्तिका में दिये गए E1 एवं A1, A2, A3, A4, प्रपत्रों तथा मार्कशीट में प्रधानाध्यापक द्वारा भरे जाने वाले हिस्से को भरकर पूर्ण रखें।
2. मूल्यांकन दिवसों के प्रथम दिवस के पहले धण्टे में विद्यालय द्वारा भरे गए विभिन्न प्रपत्रों की जाँच मूल्यांकन दल द्वारा की जाएगी तत्पश्चात् शेष समय में पर्यावरण अध्ययन की परीक्षा ली जाएगी। द्वितीय दिवस में भाषा (हिन्दी) तथा तृतीय दिवस में गणित की परीक्षा ली जाएगी।
3. सभी विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को मूल्यांकन की तिथियों से अवगत कराएं एवं मूल्यांकन में विद्यार्थियों की शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित कराएँ।
4. विद्यालय के प्रवेश एवं उपस्थिति सम्बन्धी दस्तावेज तैयार रखें तथा बाल गणना रजिस्टर भी अद्यतन कर लें।
5. विद्यालय के सभी शिक्षकों को मूल्यांकन के दौरान अनिवार्यतः उपस्थित होने के लिए प्रेरित करें।
6. विद्यालय में व्यस्थित मूल्यांकन हेमतु पेयजल, बैठक व्यवस्था, साफ–सफाई जैसी मूलभूत आवश्यकताएं तैयार रखें।
7. मूल्यांकनकर्ता दल के सदस्यों के आवास आदि की व्यवस्था हेतु VEC/SMC के सदस्यों से सहयोग प्राप्त करें।
8. मूल्यांकन दल को निष्पक्ष एवं पारदर्शी मूल्यांकन हेतु सहयोग प्रदान करें।

यह मूल्यांकन कक्षा 1 से 4 तक भाषा (हिन्दी), गणित और पर्यावरण अध्ययन विषय का होगा। शेष विषयों की परीक्षा विद्यालय में स्वतः विभागीय निर्देशानुसार आयोजित करनी होगी। लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम के तहत किए जा रहे मूल्यांकन के आधार पर कक्षावार छात्रवार तीनों विषयों के प्राप्तांक BRC कार्यालय से अप्रैल माह में विद्यालयों को उपलब्ध कराए जायेंगे। साथ ही विद्यालयों को दक्षतावार फीडबैक भी उपलब्ध कराया जायेगा।

कृपया तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक)

जनपद.....

नम्रता कुमार
राज्य परियोजना निदेशक

"उत्तरांचल सभी के लिये शिक्षा परिषद"
डी0पी0ई0पी0– III/ एस0एस0ए0
दूरभाष 0135–2781941, 2781942, 2781943
email - uadpep@vsnl.net

सेवा में,

1. प्राचार्य, डायट
बड़कोट, उत्तरकाशी / भीमताल, नैनीताल।

2. अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक)
उत्तरकाशी / ऊधमसिंह नगर।

पत्रांक : रा0प0नि0 / 2247 / ल0गा0का0 / 2005–06 दिनांक 03 फरवरी, 2006

विषयः लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत मार्च में प्रस्तावित मूल्यांकन कार्य की पूर्व तैयारी के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक् लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रतिभागी विद्यालयों के मूल्यांकन कार्य से संबंधित निर्देश निम्नवत् है–

1. **दायित्व का निर्धारिणः–**

- **जिला स्तर**– मूल्यांकन से सम्बन्धित समस्त अकादमिक कार्य प्राचार्य डायट तथा प्रशासनिक / वित्तीय कार्य अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बे0) द्वारा सम्पादित किये जायेंगे। प्रभारी जिला समन्वयक सम्पूर्ण कार्यक्रम डायट तथा डी0पीओ0 के साथ समन्वयन करेंगे।

- **विकासखण्ड स्तर**– मूल्यांकन कार्य के सफल क्रियान्वयन हेतु विकासखण्ड स्तर पर उप खण्ड शिक्षा अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी रहेंगे तथा बी0आर0सी समन्वयक उपखण्ड शिक्षा अधिकारी को समस्त कार्यों में सहयोग देना सुनिश्चित करेंगे।

- **सी0आर0सी0 स्तर**– मूल्यांकन से सम्बन्धित समस्त कार्यों हेतु संकुल स्तर पर संकुल समन्वयक उत्तरदायी रहेंगे।

2. **कक्षाओं का निर्धारणः**– प्रतिभागी विद्यालयों में कक्षा 1 से कक्षा तक तीन विषयों में मूल्यांकन कार्य सम्पन्न होगा। उक्त कार्य एक विद्यालय में औसतन तीन दिनों में पूर्ण किया जाएगा। जिला परियोजना कार्यालय द्वारा उक्त के सम्बन्ध में विद्यालयों को अवगत कराया जाएगा।

3. **मूल्यांकन किटः**– प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता दल हेतु संभावित मूल्यांकन किट की सूची

संलग्न कर इस निर्देश से प्रेषित है कि जिला परियोजना कार्यालय उक्त सामग्री की व्यवस्था कर प्रत्येक मूल्यांकन दल हेतु मूल्यांकन किट विकासखण्ड स्तर पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। (संलग्नक–1)

4. **विद्यालय को सूचना प्रेषणः**– प्रतिभागी विद्यालय को मूल्यांकन की प्रस्तावित तिथियों की जानकारी सहित अन्य सूचना संलग्न पत्रानुसार जिला परियोजना कार्यालय द्वारा कम से कम दो सप्ताह पूर्व अनिवार्यतः प्रेषित कर दिया जिससे कि प्रतिभागी विद्यालय के द्वारा पूर्व तैयारी पूर्ण कर ली जाय।

5. E, A1-A4, Markslip **आदि का प्रेषण** :– मूल्यांकन दल द्वारा E, A1-A4, तथा Markslip आदि पर चाही गयी सूचनाओं को समय से उपलब्ध कराने के लिए समस्त प्रपत्र प्रतिभागी विद्यालय को मूल्यांकन दिवस से एक सप्ताह पूर्व उपलब्ध करा दिये जाएं तथा सी0आर0सी0 समन्वयक उक्त प्रपत्रों को पूर्ण रूप से भरवाकर तैयार करवा लेना सुनिश्चित करेंगे।

6. APF **कोडः**– प्रत्येक प्रतिभागी विद्यालय को एक 6 अंक का कोड दिया गया है जिसे APF कोड कहा गया है। इस कोड को विद्यालय के सूचना पत्र एवं अन्य प्रपत्रों में अंकित करना होगा। APF कोड की प्रति संलग्न कर प्रेषित है। (संलग्नक–3)

7. **मूल्यांकन कार्य हेतु दैनिक/यात्रा भत्ताः**– राजकीय मूल्यांकन कर्त्ता को नियमानुसार मूल्यांकन समाप्ति पर यात्रा/दैनिक भत्ता प्रदान किया जाएगा। जिला परियोजना कार्यालय द्वारा उक्त की व्यवस्था सुनिश्चित की जायेगी।

8. **मूल्यांकन दलः**– मूल्यांकन दल 3 से 5 सदस्यीय होगा। कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों में 03 सदस्यीय (02 राजकीय व 01 अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन) तथा अधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में 05 सदस्यीय (03 राजकीय व 02 अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन) होगा। अत्यधिक छात्र संख्या वाले विद्यालयों में एक से अधिक दल भेजें जायेंगे।

9. **प्रतिभागी विद्यालयः**– लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत केवल प्रतिभागी विद्यालयों का मूल्यांकन किया जाएगा (सूची जनपद को उपलब्ध करायी गयी है। प्रतिभागी विद्यालयों के अध्यापकों तथा मूल्यांकन दल के शिक्षकों की वार्षिक बोर्ड परीक्षा (हाईस्कूल/इण्टरमीटिएट) में ड्यूटी न लगायी जाए।

10. **मूल्यांकन कार्यः**– मूल्यांकन कार्य 1–28 मार्च के बीच 20 कार्य दिवसों का उपयोग करते हुये औसतन तीन दिन प्रति विद्यालय के अनुसार सम्पन्न किया जायेगा। कार्य हेतु रूट चार्ट मूल्यांकन दल का गठन/संख्या आदि की तैयारियाँ डायट डी0पी0ओ0 के साथ जनवरी माह के प्रथम सप्ताह में ठीक कर पूर्ण कर ली गयी हैं तद्नुसार कार्यवाही की जाय।

11. **बी0आर0सी0**:– विकासखण्ड स्तर पर बी0आर0सी0 कंट्रोल रूप के रूप में कार्य करेगा। बी0आर0सी0 समन्वयक मूल्यांकन कार्य हेतु समस्त तैयारी कर लें। साथ ही एक सह–समन्वयक पूर्ण रूप से मुख्यालय पर उपस्थित रह कर उक्त कार्यों में बी0आर0सी0 समन्वयक को सहयोग देंगे।

बी0आर0सी0 में प्रश्न पत्रों और मूल्यांकन संबंधी अन्य वस्तुओं का भण्डारण किया जाएगा तथा यही से मूल्यांकन दल सामग्री/प्रश्न पत्र प्राप्त कर विद्यालय को रवाना होंगे। सामग्री/प्रश्न पर वितरण तथ मूल्यांकन करके लौटने वाले दल से उत्तर पुस्तिकाएँ तथा समस्त प्रपत्र प्राप्त करना एवं उन्हें सुरक्षित रखना होगा। ओ0एम0आर0/आई0सी0आर0 शीट को भरे जाने तथा उत्तर पुस्तिकाओं से अंकचिट को तैयार करने का कार्य बी0आर0सी0 पर सम्पन्न होगा।

- ✦ इस कार्य के लिए स्थान और व्यक्तियों का प्रबंधन भी करना होगा।
- ✦ अंक चिट तैयार करने हेतु स्वयं सेवकों की व्यवस्था अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन द्वारा की जायेगी।

12. **सी0आर0सी0**:– सी0आर0सी0/एन0पी0आर0सी0 की भूमिका इस मूल्यांकन में अत्यधिक महत्वपूर्ण होगी। विद्यालयों को मूल्यांकन की तिथियों की सूचना उपलब्ध कराना ताकि शत प्रतिशत विद्यार्थी मूल्यांकन में सम्मिलित हो सकें। साथ ही मूल्यांकन दल के विद्यालय में पहुँचने के पूर्व समस्त प्रपत्र भरवाकर तैयार रखने होंगे। मूल्यांकन दल के सदस्यों का पथ प्रदर्शन भी बी0आर0सी0 को करना होगा। समस्त सी0आर0सी0 समन्वयक प्रतिभागी विद्यालयों का भ्रमण कर मूल्यांकन हेतु आवश्यक पूर्व तैयारी पूर्ण कराना सुनिश्चित करेंगें

भवदीय

03/02/06

(नम्रता कुमार)
राज्य परियोजना निदेशक,
उत्तरांचल, देहरादून।

नम्रता कुमार
राज्य परियोजना निदेशक

"उत्तरांचल सभी के लिये शिक्षा परिषद"
डी0पी0ई0पी0– III/ एस0एस0ए0
दूरभाष 0135–2781941, 2781942, 2781943
email - uadpep@vsnl.net

सेवा में,

1. प्राचार्य, डायट
   बड़कोट, उत्तरकाशी / भीमताल, अल्मोड़ा।

2. अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक)
   उत्तरकाशी / ऊधमसिंह नगर / देहरादून।

पत्रांक : अ0रा0प0नि0 / 2216 / एल0पी0जी0 / 2005–06 दिनांक 01 फरवरी, 2006

विषयः राज्य स्तरीय संदर्भदाता प्राथमिक कार्यशाला दिनांक 6–9 फरवरी, 2006 के सम्बन्ध में।

महोदय,

लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत चिन्हित मूल्यांकनकर्त्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए राज्य स्तरीय संदर्भदाताओं की प्रशिक्षण कार्यशाला दिनांक 6–9 फरवरी, 2006 तक रूलेक, देहरादून में आयोजित की गयी है।

कृपया अपने संस्थान / जनपद से संबंधित संदर्भदाता (संलग्न सूचीनुसार) को दिनांक 6 फरवरी, 2006 को प्रातः 9:00 बजे तक अनिवार्यतः उपस्थित होने हेतु निर्देशित करना सुनिश्चित करें। प्रतिभागियों के आवास / भोजन व नियमानुसार यात्रा / दैनिक भत्ता का व्यय राज्य परियोजना कार्यालय द्वारा वहन किया जाएगा।

कार्यालय द्वारा वहन किया जाएगा।

सलग्नक : यथोपरि।

भवदीय

01/02/06

(नम्रता कुमार)
राज्य परियोजना निदेशक,
उत्तरांचल, देहरादून।

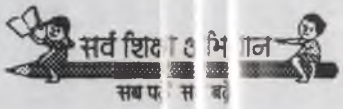

नम्रता कुमार
राज्य परियोजना निदेशक

अ0शा0पत्र संख्याः रा0प0नि0 / 2246 / 2005–06

"उत्तरांचल सभी के लिये शिक्षा परिषद"
डी0पी0ई0पी0– III/ एस0एस0ए0
email - uadpep@vsnl.net
दूरभाष 0135–2781941, 2781942, 2781943
दिनांक : देहरादून 03 फरवरी, 2006

प्रिय महोदय,

जैसा कि आप अवगत हैं कि "उत्तरांचल सभी के लिए शिक्षा परिषद", द्वारा अज़ीम प्रेमजी फाउण्डेशन के सहयोग से आपके जनपद में सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत शैक्षिक नवाचारी कार्यक्रम लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम संचालित है। उक्त कार्यक्रम में प्रतिभाग का स्वरूप स्वैच्छिक रखा गया है क्योंकि यह विद्यालय में दक्षता आधारित मूल्यांकन द्वारा परखने का अवसर उपलब्ध कराता है। आपके जनपद से 220 विद्यालयों द्वारा स्वयं को मूल्यांकित किये जाने का निर्णय लिया गया है। अतः ये विद्यालय बधाई एवं प्रशंसा के पात्र है तथा इन्हें प्रोत्साहित किए जाने की अत्यधिक आवश्यकता है।

अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) के पास प्रतिभागी विद्यालयों से सम्बन्धित सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध है। यदि आपके स्तर से इन विद्यालयों को लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए बधाई तथा मूल्यांकन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की जाती हैं तो इन विद्यालयों का मनोबल बढ़ेगा व मार्च में होने वाले मूल्यांकन में विद्यालयों का प्रदर्शन उत्कृष्ट हो सकेगा।

भवदीय

03/02/06

(नम्रता कुमार)

श्री तुलाराम भट्ट
जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष जिला शिक्षा परियोजना समिति
उत्तरकाशी।

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

नम्रता कुमार
राज्य परियोजना निदेशक

"उत्तरांचल सभी के लिये शिक्षा परिषद"
डी0पी0ई0पी0– III/ एस0एस0ए0
दूरभाष 0135–2781941, 2781942, 2781943
email - uadpep@vsnl.net

सेवा में,

1. **प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,**
   टिहरी, रूडकी (हरिद्वार), बडकोट (उत्तरकाशी) एवं भीमताल (नैनीताल)।
2. **अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बे0)**
   उत्तरकाशी एवं ऊधमसिंह नगर/देहरादून।

पत्रांक : रा0प0नि0/2496/ल0गा0का0/2005–06 दिनांक 28 फरवरी, 2006

विषयः लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 01–28 मार्च के मध्य प्रस्तावित मूल्यांकन कार्य के अनुश्रवण के सम्बन्ध में।

महोदय,

लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी तथा ऊधम सिंह नगर के प्रतिभागी विद्यालयों में मूल्यांकन दल द्वारा दक्षता आधारित प्रश्न पत्रों के द्वारा विद्यालयों का मूल्यांकन किया जायेगा। प्रतिभागी विद्यालयों की सूची तथा मूल्यांकन दिवस की विस्तृत जानकारी उप खण्ड शिक्षा अधिकारी/विकास खण्ड संसाधन केन्द्र पर उपलब्ध है। मूल्यांकन कार्य के पर्यवेक्षण/अनुश्रवण हेतु डायट को जनपदों का आवंटन निम्नवत् किया गया है।

डायट रूड़की– जनपद ऊधम सिंह नगर
डायट टिहरी– उत्तरकाशी

डायअ सम्बन्धित जनपद हेतु अभिकर्मियों की टीम गठित कर अनुश्रवण कार्य प्रारम्भ करें तथा अनुश्रवण आख्या राज्य परियोजना कार्यालय को उपलब्ध करायी जाय।

अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बे0) तथा जनपद की डायट द्वारा अनुश्रवण दल का गठन कर मूल्यांकन कार्य का अनुश्रवण करेंगे। जनपद स्तरीय दल में डायट/डी0पी0ओ0/बी0आर0सी0 के अभिकर्मियों को सम्मिलित किया जा सकता है। इसी प्रकार ब्लाक स्तर पर उप खण्ड शिक्षा अधिकारी तथा बी0आर0सी0/सी0आर0सी0 के अभिकर्मियों को सम्मिलित करते हुए टीम गठित कर मूल्यांकन कार्य का अनुश्रवण/पर्यवेक्षण किया जाय।

अतः अनुश्रवण हेतु व्यय आर0ई0एम0एस0 मद के अन्तर्गत किया जायेगा। अनुश्रवण हेतु मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

- विद्यालय का नाम
- विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति
- मूल्याकंन कार्य की पारदर्शिता
- मूल्यांकन दल की उपस्थिति
- मूल्यांकन सामग्री की उपलब्धता
- मूल्यांकन कार्य में कमियां, गलत प्रक्रियाओं, नकल की स्थिति आदि व टिप्पणी
- अन्य विशेष तथ्य

कृपया तदनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

भवदीय
28/02/06
(नम्रता कुमार)
राज्य परियोजना निदेशक,
उत्तरांचल, देहरादून।

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

नम्रता कुमार
राज्य परियोजना निदेशक

"उत्तरांचल सभी के लिये शिक्षा परिषद"
डी0पी0ई0पी0– III/ एस0एस0ए0
दूरभाष 0135–2781941, 2781942, 2781943
email - uadpep@vsnl.net

सेवा में,

1. प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
   बड़कोट एवं भीमताल।
2. अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बे0)
   उत्तरकाशी एवं ऊधमसिंह नगर।

पत्रांक : रा0प0नि0 / 2244 / LGP / 2005–06 दिनांक 03 फरवरी, 2006

विषयः मूल्यांकनकर्ताओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में।

महोदय,

लर्निंग गारन्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य स्तरीय सन्दर्भदाताओं का प्रशिक्षण 6–9 फरवरी, 2006 तक आयोजित किया जा रहा है तत्पश्चात विकास खण्डवार तैयार सन्दर्भदाताओं द्वारा चिन्हित मूल्यांकनकताओं को प्रशिक्षित किये जाने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत् निर्धारित किया गया है–

जनपद	दिनांक	विकास खण्ड के मूल्यांकनकर्ता	स्थान
उत्तकाशी	14–17 फरवरी	भटवाडी	बी0आर0सी0 भटवाडी
प्रथम फेरा	14–17 फरवरी	चिन्यालीसौड / डुण्डा	बी0आर0सी0 चिनयालीसौड
	14–17 फरवरी	नौगाँव / मोरी	डायट बडकोट
ऊ0सि0 नगर प्रथम फेरा	14–17 फरवरी	काशीपुर / बाजपुर	बी0आर0सी0 काशीपुर
	14–17 फरवरी	खटीमा	बी0आर0सी0 खटीमा
	14–17 फरवरी	सितारगंज	बी0आर0सी0 सितारगंज
उत्तरकाशी द्वितीय फेरा	20–23 फरवरी	पुरोला	बी0आर0सी0 पुरोला
ऊ0सि0नगर द्वितीय फेरा	20–23 फरवरी	काशीपुर	बी0आर0सी0 काशीपुर
	20–23 फरवरी	रूद्रपुर / गदरपुर	बी0आर0सी0 रूद्रपुर
	20–23 फरवरी	जसपुर	बी0आर0सी0 जसपुर

मूल्यांकनकर्ताओं (राजकीय व फाउण्डेशन) का प्रशिक्षण चार दिवसीय एवं पूर्णतया आवासीय होगा जिसमें एक दिन (तृतीय दिवस) नजदीकी विद्यालयों में भ्रमण कर अभ्यास मूल्यांकन हेतु निर्धारित है। प्रशिक्षण हेतु निर्धारित स्थान पर आवश्यक तैयारी यथा मूल्यांकन हेतु विद्यालयों का चिन्हांकन, प्रश्न–पत्रों की प्रतियां इत्यादि तत्काल पूर्ण कर ली जाएं। जिला परियोजना कार्यालय द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु व्यय लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम अन्तर्गत प्रस्तावित धनराशि अथवा अध्यापक प्रशिक्षण मद के अन्तर्गत नियमानुसार किया जाय तथा प्रशिक्षण हेतु धनराशि की व्यवस्था सुनिश्चित कर विकास खण्ड / डायट को उपलब्ध करायी जाय। विभिन्न प्रशिक्षण स्थलों पर राज्य परियोजना कार्यालय से जनपद प्रभारी तथा अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन के विशेषज्ञ / सदस्य मार्गदर्शन / सहयोग हेतु उपलब्ध रहेंगे। साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम अथवा द्वितीय चरण में समयानुसार राज्य परियोजना निदेशक / अपर राज्य परियोजना निदेशक द्वारा स्वयं अनुश्रवण / पर्यवेक्षण प्रस्तावित है।

कृपया तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

भवदीय

03/02/06

(नम्रता कुमार)
राज्य परियोजना निदेशक,
उत्तरांचल, देहरादून।

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

"उत्तरांचल सभी के लिये शिक्षा परिषद"
डी0पी0ई0पी0– III/ एस0एस0ए0
दूरभाष 0135–2781941, 2781942, 2781943
email - uadpep@vsnl.net

सेवा में,

1. **प्राचार्य**
   जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
   बड़कोट (उत्तरकाशी / भीमताल (नैनीताल)
2. **अपर जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक)**
   उत्तरकाशी एवं ऊधमसिंह नगर।

पत्रांक : रा0प0नि0 / 1851 / ल0गा0का0 / 2005–06 दिनांक 20 दिसम्बर, 2005

विषयः लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत मूल्यांकन कार्य के हेतु पूर्व तैयारी के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक् एक आवश्यक बैठक दिनांक 09.12.2005 को राज्य परियोजना कार्यालय में आयोजित की गयी। बैठक में लिए गए मुख्य निर्णयों का विवरण आवश्यक कार्यवाही हेतु आपको प्रेषित किया जा रहा है–

1. **मूल्यांकन हेतु विद्यालयः–**

   लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम की अवधारणाओं के अनुसार स्वैच्छिक रूप से आवेदन करने वाले विद्यालयों का ही मूल्यांकन किया जाएगा।

2. **मूल्यांकन हेतु कक्षाएंः–**

   मूल्यांकन प्राथमिक स्तर की समस्त कक्षाओं सथा कक्षा 1 से 5 तक को सम्मिलित किया जाएगा। कक्षा 5 की जिला / ब्लाक स्तरीय परीक्षाएं आयोजित किये जाने की स्थिति में स्थितिनुसार निर्णय राज्य परियोजना निदेशक के स्तर से लिया आएगा।

3. **मूल्यांकन हेतु विषयः–**

   लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम के अन्तर्गत कक्षा 1 से 5 तक भाषा, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन विषयों का मूल्यांकन किया जाएगा शेष विषयों की परीक्षा / मूल्यांकन विद्यालयों द्वारा विभागीय निर्देशों के अनुसार ली जाएगी। कक्षा 4 तथा 5 में पर्यावरण विषय के अन्तर्गत हमारा परिवेश तथा ज्ञान विज्ञान विषय का मूल्यांकन एक साथ किया जाएगा।

4. **मूल्यांकन कार्य का समयः–**

मूल्यांकन कार्य 01 मार्च से 28 मार्च के बीच 20 कार्य दिवसों का उपयोग करते हुये प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जायेगा।

5. **मूल्यांकन दल का गठन / संख्याः–**

मूल्यांकन कार्य हेतु प्रत्येक 05 सदस्यीय दल का गठन निम्नवत् किया जाएगा।

- राज्य सरकार की ओर से – 03
- अजीम प्रेमजी फाउण्डेशन की ओर से – 02

जनपदवार दलों तथा सदस्यों की संख्या निम्नवत् होगी।

जनपद	प्रतिभागी विद्यालय	दलों की संख्या	राजकीय सदस्यों की संख्या	ए0पी0एफ0सदस्यों का सं0
उत्तरकाशी	222	62	186	124
ऊधमसिंह नगर	200	70	210	140
योग	422	132	396	264

6. **मूल्यांकन कर्त्ताओं का चयन / चिन्हांकनः–**

राज्य सरकार के मूल्यांकन कर्त्ताओं का चयन / चिन्हांकन संबंधित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा दिसम्बर माह के अंत तक कर लिया जाएगा। चयन चिन्हांकन में निम्न बातों का ध्यान रखा जाए।

- परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों को वरियता दी जाएं
- ऐसे विद्यालय से चयनित किए जाए जहाँ पर्याप्त अध्यापक कार्यरत हों।
- विशेष परिस्थिति में उच्च प्राथमिक स्तर के ऐसे अध्यापक जिन्हे प्राथमिक स्तर का व्यापक अनुभव हो लिया जा सकता है।
- भाषा, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन विषयों के लिए आवश्यकता के सापेक्ष चयन / चिन्हांकन किया जाए।
- चयनित मूल्यांकनकर्ता अध्यापक के विषय में विस्तृत विवरण यथा नाम, पद, मान्यता, विषय विशेषज्ञता आदि तैयार कर राज्य परियोजना कार्यालय को उपलब्ध करा दी जाए।
- चयनित मूल्यांकनकर्ता की आगामी बोर्ड परीक्षाएं (हाईस्कूल / इण्टर) में ड्युटी न लगाई जाए।
- अजीम प्रेम जी फाउण्डेशन को मूल्यांकनकर्त्ताओं के चयन में भी संबंधित डायट द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

7. **मूल्यांकन कर्त्ताओं का प्रशिक्षण :–**

चयनित मूल्यांकन कर्त्ताओं को राज्य स्तर पर तैयार मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा जनवरी के

द्वितीय सप्ताह में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। संबंधित डायट द्वारा प्रत्येक ब्लाक हेतु 03 मास्टर ट्रेनर्स का चयन निम्नवत् कर सूची राज्य परियोजना कार्यालय को दिसम्बर माह के अंत तक उपलब्ध करायी जाएगी।

- ❖ डायट द्वारा नियुक्त ब्लाक मेण्टर
- ❖ संबंधित ब्लाक से 02 अध्यापक अथवा सी0आर0सी0 समन्वयक।

8. परीक्षाफल / परीक्षा परिणामः–

प्रतिभागी विद्यालयों को परीक्षाफल तैयार किए जाने के लिए अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में प्रत्येक मूल्यांकित विषय की अंक चिट (Markshlip) ब्लाक स्तर पर उपलब्ध करायी जाएगी।

9. विद्यालयों को मार्गदर्शनः–

प्रतिभागी विद्यालयों की सूची तथा नमूना प्रश्न–पत्र की प्रति संबंधित डायट शीघ्र उपलब्ध करायी जा रही हैं। डायट द्वारा ब्लाक मेन्टर तथा संबंधित सी0आर0सी0 के माध्यम से प्रतिभागी विद्यालयों को तैयारी संबंधी पूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर मूल्यांकन हेतु तैयार किया जाएगा।

कृपया, तद्नुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

भवदीय

20/12/05

(पुष्पा मानस)
अपर राज्य परियोजना निदेशक,
राज्य परियोजना कार्यालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

पृ0सं0– रा0प0नि0 / 1851 / ल0गा0का0 / 2005–06 तद्दिनांक।

प्रतिलिपि– राज्य परियोजना निदेशक के अवलोकनार्थ।

20/12/05

(पुष्पा मानस)
अपर राज्य परियोजना निदेशक,

लर्निंग गारण्टी कार्यक्रम वर्ष 2005–06 के प्रतिभागी विद्यालय

विद्यालय कोड़	विद्यालय का नाम	कलस्टर
210101	प्रा0वि0 नेलंग	हर्षिल
210102	प्रा0वि0 झाला	हर्षिल
210103	प्रा0वि0 सुक्खी	हर्षिल
210104	प्रा0वि0 जसपुर ठडनौर	हर्षिल
210205	प्रा0वि0 कुंजन	बन्द्राणी
210206	प्रा0वि0 नटीण	बन्द्राणी
210207	प्रा0वि0 भटवाडी	बन्द्राणी
210208	प्रा0वि0 बन्द्राणी	बन्द्राणी
210209	प्रा0वि0 गंगानानी	बन्द्राणी
210210	प्रा0वि0 पाला	बन्द्राणी
210211	प्रा0वि0 भंगेली	बन्द्राणी
210212	प्रा0वि0 मथाली	बन्द्राणी
210313	प्रा0वि0 ओंगी	सौरा
210314	प्रा0वि0 हुर्री	सौरा
210315	प्रा0वि0 जखोल	सौरा
210316	प्रा0वि0 ओडार	सौरा
210417	प्रा0वि0 गणेशपुर	गंगोरी
210418	प्रा0वि0 नैताला	गंगोरी
210419	प्रा0वि0 कन्या उत्तरकाशी	गंगोरी
210420	प्रा0वि0 उत्तरकाशी	गंगोरी
210422	प्रा0वि0 बिरला गली	गंगोरी
210423	प्रा0वि0 ज्ञानसू पुराना	गंगोरी
210424	प्रा0वि0 खाण्ड	गंगोरी
210425	प्रा0वि0 गंगोरी	गंगोरी
210426	प्रा0वि0 रवडा	गंगोरी
210527	प्रा0वि0 संग्राली	साल्ड

210629	प्रा0वि0 ड़ाग	जोशियाडा
210630	प्रा0वि0 जसपुर	जोशियाडा
210631	प्रा0वि0 दिलसौड	जोशियाडा
210632	प्रा0वि0 चमकोट	जोशियाडा
210733	प्रा0वि0 मुस्टिकसौड	मुस्टिकसौड
210734	प्रा0वि0 कुरौली	मुस्टिकसौड़
210735	प्रा0वि0 थलन	मुस्टिकसौड
210736	प्रा0वि0 साडा	मुस्टिकसौड़
210737	प्रा0वि0 मानपुर	मुस्टिकसौड
210738	प्रा0वि0 मागलपुर	मुस्टिकसौड़
210739	प्रा0वि0 धनपुर	मुस्टिकसौड़
210740	प्रा0वि0 मस्ताडी	मुस्टिकसौड़
210841	प्रा0वि0 लाटा	लाटा
210842	प्रा0वि0 पाही	लाटा
210843	प्रा0वि0 मल्ला	लाटा
210844	प्रा0वि0 दवारी	लाटा
210845	प्रा0वि0 सुपारगा	लाटा
210846	प्रा0वि0 कुमाल्टी	लाटा
210947	प्रा0वि0 चिवां	कल्डियाणी
210948	प्रा0वि0 गजोली	कल्डियाणी
210949	प्रा0वि0 अगोडा	कल्डियाणी
210950	प्रा0वि0 दसड़ा	कल्डियाणी
220101	प्रा0वि0 जोगथ तल्ला	खालसी
220102	प्रा0वि0 खालसी	खालसी
220203	प्रा0वि0 भडकोट	तुल्याडा
220204	प्रा0वि0 वधाण गाँव	तुल्याडा
220205	प्रा0वि0 अनोल	तुल्याडा
220206	प्रा0वि0 कुमराडा	तुल्याडा
220307	प्रा0वि0 बनाडी	धारकोट
220308	प्रा0वि0 टिपरी दसगी	धारकोट
220309	प्रा0वि0 बनचौरा	धारकोट

220310	प्रा0वि0 धारकोट	धारकोट
220311	प्रा0वि0 बनाडी तल्ली	धारकोट
220312	प्रा0वि0 ओड खोला	धारकोट
220313	प्रा0वि0 जेष्टवाडी	धारकोट
220314	प्रा0वि0 खदाडा	धारकोट
220315	प्रा0वि0 कथौगी	धारकोट
220316	प्रा0वि0 चिलोट	धारकोट
220517	प्रा0वि0 पीपल मन्डी	बडेथी
220518	प्रा0वि0 बरेठ	बडेथी
220519	प्रा0वि0 इन्द्रा टिपरी	बडेथी
220520	प्रा0वि0 श्रीकोट	बडेथी
220621	प्रा0वि0 जिव्या	जिव्या
220622	प्रा0वि0 बनोट	जिव्या
220623	प्रा0वि0 बागी	जिव्या
220724	प्रा0वि0 क्यारी	दिचली
230102	प्रा0वि० पॉव	नाकुरी
230202	प्रा0वि० मानसौड	बडेथी
230203	प्रा0वि० भराणगांव	बडेथी
230204	प्रा0वि0 बडेथी	बडेथी
230305	प्रा0वि० गेंवला	गेवंला
230306	प्रा0वि० पटारा	गेवंला
230307	प्रा0वि० पयासारी	गेवंला
230308	प्रा0वि० मसोन	गेवंला
230309	प्रा0वि० ग्योणोटी	गेवंला
230310	प्रा0वि० बदाली	गेवंला
230311	प्रा0वि० पुजारगांव	गेवंला
230412	प्रा0वि० भड़कोट	भेटियारा
230513	प्रा0वि० रायमेर बडेथ	रायमेर बडेथ
230514	प्रा0वि० गोरसाडा	रायमेर बडेथ
230515	प्रा0वि० गढ थाती	रायमेर बडेथ
230516	प्रा0वि० भैत	रायमेर बडेथ

230517	प्रा0वि० पोखरियालगांव	रायमेर बडेथ
230618	प्रा0वि० काण्डी	पिपली धनारी
230619	प्रा0वि० डुण्डा बाजार	डुण्डा गाँव
230820	प्रा0वि० सिलक्यारा	जुणगा
230821	प्रा0वि० नगल	जुणगा
230822	प्रा0वि० मंजगांव	जुणगा
230823	प्रा0वि० मकोरा	जुणगा
230824	प्रा0वि० डागडा	जुणगा
230825	प्रा0वि० नवागांव	जुणगा
250101	प्रा0वि0 मुराडी	नौगाँव
250102	प्रा0वि0 सुनारा	नौगाँव
250103	प्रा0वि० रस्टाडी	नौगाँव
250106	प्रा0वि० कन्सोला	नौगाँव
250107	प्रा0वि० मजियाली	नौगाँव
250108	प्रा0वि० कोटियालगॉव	नौगाँव
250109	प्रा0वि० बगासू	नौगाँव
250110	प्रा0वि० मटियाली	नौगाँव
250111	प्रा0वि० पलेठा	नौगाँव
250212	प्रा0वि0 खरादी	नन्द गाँव
250213	प्रा0वि0 गंगाणी	नन्द गाँव
250414	प्रा0वि0 ढलिया गॉव	तुनाल्का
250415	प्रा0वि0 थान	गंगटाडी
250716	प्रा0वि0 बर्नीगाड	गढ
250817	प्रा0वि0 डामटा	ढुईक
250818	प्रा0वि0 कन्डारी	ढुईक
250819	प्रा0वि0 रिखॉउ	ढुईक
251020	प्रा0वि० गोदीन	गातू
251021	प्रा0वि० बुर्सी	गातू
251022	प्रा0वि० फुवाण गॉव	गातू
251023	प्रा0वि० कलेज गॉव	गातू
251024	प्रा0वि० मताडी	गातू

251125	प्रा0वि0 छटाँगा	बड़कोट
251126	प्रा0वि0 डंडाल गॉव	बड़कोट
251127	प्रा0वि0 चक्रगांव	बड़कोट
240101	प्रा0वि0 मोल्डी	आराकोट
240102	प्रा0वि0 गमरी	आराकोट
240103	प्रा0वि0 रावणा	आराकोट
240105	प्रा0वि0 दुचाणु	आराकोट
240106	प्रा0वि0 टिकोची	आराकोट
240107	प्रा0वि0 पावली	आराकोट
240208	प्रा0वि0 दोणी	दोणी
240209	प्रा0वि0 खन्ना	दोणी
240210	प्रा0वि0 भितरी	दोणी
240411	प्रा0वि0 बन्नूगाड	नानई
240412	प्रा0वि0 देई	नानई
240413	प्रा0वि0 देई	नानई
240414	प्रा0वि0 बन्नूगाड	नानई
240415	प्रा0वि0 भद्रासू	नानई
240416	प्रा0वि0 विगसारी	नानई
240417	प्रा0वि0 बदाऊँ	नानई
240418	प्रा0वि0 बन्नूगाड	नानई
240419	प्रा0वि0 नानई	नानई
240420	प्रा0वि0 नितोषा	नानई
240421	प्रा0वि0 खेडमी	नानई
240422	प्रा0वि0 डोभाल गॉव	नानई
240423	प्रा0वि0 डाडागॉव	नानई
240424	प्रा0वि0 देवजानी	नानई
240525	प्रा0वि0 कुकरेडा	ठडियार
240526	प्रा0वि0 भक्वाड	ठडियार
240527	प्रा0वि0 तलवड	ठडियार
240528	प्रा0वि0 बामसू	ठडियार
240529	प्रा0वि0 वेगल	ठडियार

240530	प्रा0वि0 बुटोत्रा	ठडियार
240531	प्रा0वि0 ठडियार	ठडियार
240532	प्रा0वि0 मोरी	ठडियार
240533	प्रा0वि0 सरास	ठडियार
240634	प्रा0वि0 पैसर	नैटवाड
240635	प्रा0वि0 पोखरी	नैटवाड
240636	प्रा0वि0 कुनारा	नैटवाड
240637	प्रा0वि0 गैचवाण गॉव	नैटवाड
240638	प्रा0वि0 नैटवाड गॉव	नैटवाड
240639	प्रा0वि0 दणगाण गॉव	नैटवाड
240640	प्रा0वि0 कलाप	नैटवाड
240641	प्रा0वि0 गुराडी	नैटवाड
240642	प्रा0वि0 हल्टाडी	नैटवाड
240643	प्रा0वि0 नैटवाड बाजार	नैटवाड
240644	प्रा0वि0 पासा	नैटवाड
240645	प्रा0वि0लुदराला	नैटवाड
240646	प्रा0वि0 नुराणू	नैटवाड
260101	प्रा0वि० तलडा	चन्देली
260102	प्रा0वि० हुडोली	चन्देली
260103	प्रा0वि० गैडा	चन्देली
260104	प्रा0वि० बिणाई	चन्देली
260105	प्रा0वि० मैराणा	चन्देली
260106	प्रा0वि० स्वील	चन्देली
260107	प्रा0वि० चकचन्देली	चन्देली
260108	प्रा0वि० नैलाडी	चन्देली
260109	प्रा0वि० करडा	चन्देली
260110	प्रा0वि० चपटाडी	चन्देली
260111	प्रा0वि० ढडुंग	चन्देली
260112	प्रा0वि० सौदाडी	चन्देली
260113	प्रा0वि० कुफारा	चन्देली
260114	प्रा0वि० चन्देली	चन्देली

260115	प्राविं० पाणीगांव	चन्देली
260116	प्राविं० कन्ताडी	चन्देली
260117	प्राविं० रतेडी	चन्देली
260118	प्राविं० नेत्री	चन्देली
260119	प्राविं० पुजेली ख	चन्देली
260220	प्राविं० किमडार	गुन्दियाट गांव
260221	प्राविं० कण्डियालगांव	गुन्दियाट गांव
260224	प्राविं० डेरिका	गुन्दियाट गांव
260226	प्राविं० मोल्टाडी	गुन्दियाट गांव
260227	प्राविं० गुन्दियाटगांव	गुन्दियाट गांव
260229	प्राविं० नागझाला	गुन्दियाट गांव
260330	प्राविं० महरगांव	खड्क्या सेम
260331	प्राविं० समाधि मठ	खड्क्या सेम
260332	प्राविं० उपला मठ	खड्क्या सेम
260333	प्राविं० कोंटी	खड्क्या सेम
260334	प्राविं० मखना	खड्क्या सेम
260335	प्राविं० पुरोला	खड्क्या सेम
260336	प्राविं० खाबली	खड्क्या सेम
260337	प्राविं० छाडा	खड्क्या सेम
260338	प्राविं० सुनाली	खड्क्या सेम
260339	प्राविं० उदकोटी	खड्क्या सेम
260340	प्राविं० खड्क्यासेम	खड्क्या सेम
260341	प्राविं० देवढुंग	खड्क्या सेम
260342	प्राविं० पुजेली क	खड्क्या सेम
260343	प्राविं० धिवरा	खड्क्या सेम
260344	प्राविं० छिबाला	खड्क्या सेम
260345	प्राविं० नौरी	खड्क्या सेम
260346	प्राविं० कुमोला	खड्क्या सेम
260347	प्राविं० कुरुडा	खड्क्या सेम
260348	प्राविं० श्रीकोट	खड्क्या सेम

दो जिलों में लर्निंग गारंटी कार्यक्रम

परीक्षा दर से कांपन वाले बच्चों को मिली संजीवनी

जनपद में लर्निंग गारंटी कार्यक्रम का शुभारंभ

लर्निंग गारंटी प्रोग्राम में दिए टिप्स

स्कूलों में लर्निंग गारंटी योजना

मूल्यांकन का दूसरा चरण शुरू

प्राथमिक शिक्षा को रुचिपूर्ण बनाने का प्रयास

लर्निंग गारंटी का दूसरा चरण पूरा

बेहतर न्याय पंचायत को दो पुरस्कार मिले

युक्त शिक्षा से हो आयेगी खुशहाली

लर्निंग गारंटी प्रोग्राम से शैक्षिक गुणवत्ता सुधरेगी

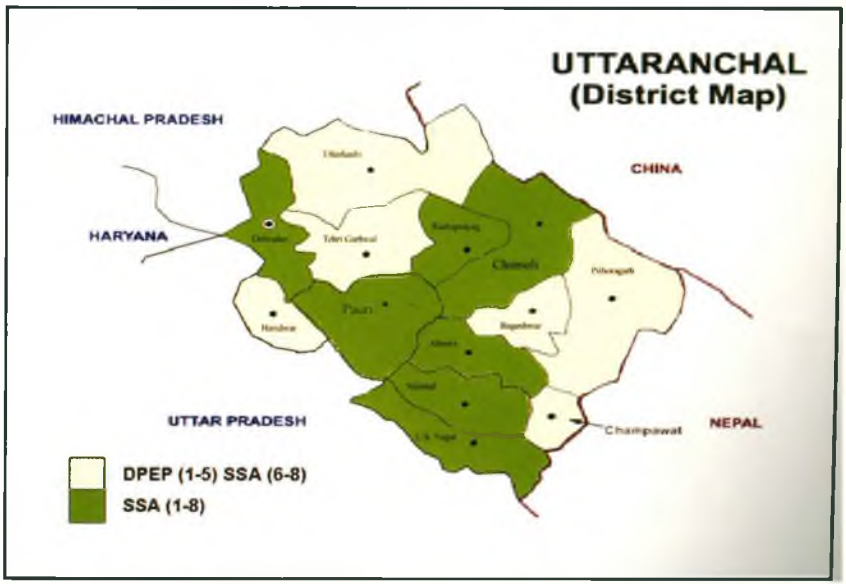
UTTARANCHAL
(District Map)
HIMACHAL PRADESH
CHINA
HARYANA
Chamoli
Pauri
UTTAR PRADESH
Champawat
NEPAL
DPEP (1-5) SSA (6-8)
SSA (1-8)